यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपनी बैठक के बारे में जानकारी साझा करने के लिए एक्स का भी सहारा लिया। जेलेंस्की ने कहा कि भारत और यूक्रेन सक्रिय रूप से संबंध विकसित कर रहे हैं और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।


# जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक:142 दिनांक:25-09-2024 बुधवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M




त्रिपुरा में नेशनल लिबरेशन फ्रंट आफ त्रिपुरा ( एनएलएफटी ) और आल त्रिपुरा टाइगर फोर्स ( एटीटीएफ ) से जुड़े करीब 500 उग्रवादियों सरेंडर कर दिया। इन उग्रवादियों ने राज्य के सीएम माणिक साहा के सामने सरेंडर किया है।

## कुशीनगर में सपा नेता सहित 10 लोग गिरफ्तार

- जाली नोटों के कारोबार का हुआ पर्दाफाश

कुशीनगर ( ईएमएस )। यूपी के कुशीनगर में जाली नोटों के बड़े अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने समाजवादी पार्टी की लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव मोहम्मद रफीक खान उर्फ बबलू समेत 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी रफीक खान की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें वो समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव से हाथ मिलाते देखा जा सकता है। रफीक खान जालसाजों के गैंग का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। दर्ज शिकायत के मुताबिक उसने नेपाल, यूपी और बिहार के सीमावर्ती इलाकों में जाली नोटों का नेटवर्क स्थापित किया था। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों में शामिल नौशाद खान समाजवादी पार्टी के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ का उपाध्यक्ष बताया जा रहा है। पुलिस ने 5.62 लाख रुपये के जाली नोट, 1.10 लाख रुपये के असली नोट, तीन हजार नेपाली मुद्रा, 10 देसी तमंचा, 4 सुतली बम, 2 नेपाली सिम और 26 फर्जी दस्तावेज बरामद किए हैं। कुशीनगर के पु?लिस अ?धिकारी ने बताया ?कि जिले में नकली नोटों का कारोबार करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। लाखों के जाली नोट, 1 लाख रुपये से अधिक नकद, 10 देसी तमंचा, 30 गोलियां और 12 खोखा बरामद किया गया, इसके अलावा इनके पास से 4 सुतली बम ( पटाखे ) भी बरामद किए गए। आरोपियों के कब्जे से नेपाल की मुद्रा भी बरामद की गई है, हमें जानकारी मिली है कि उनकी नेपाल में भी आवाजाही थी।आरोपी रफीक खान और अखिलेश यादव की वायरल तस्वीर ने राजनीतिक हलकों में हड़कंप मचा दिया है।

राजनीतिक दृष्टिकोण से यह मामला समाजवादी पार्टी के लिए चुनौती बन सकता है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में बिहार के सिवान का जितेंद्र यादव, गोपालगंज का मनीष कुमार और कमरुद्दीन समेत चार आरोपी फरार हैं। पुलिस ने दावा किया कि फरार चारों आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कुशीनगर पुलिस ने इस गिरोह के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम औरंगजेब, मोहम्मद रफी, नौशाद खान, परवेज इलाही उर्फ कौसर अफरीदी, शेख जमालुद्दीन, नियाजउद्दीन उर्फ मुन्ना, रेहान खान उर्फ सद्दाम, मोहम्मद रफीक उर्फ बबलू खान, हाशिम खान और सिराज हशमती शामिल हैं।

## रेप पीड़ता बयान से मुकर न जाए इसलिए परिजनों ने कर दी हत्या

संभल( ईएमएस )। यहां कुछ दिन पहले एक रेप पीड़ता नाबालिग की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसका आरोप रेपिस्ट पर लगाया गया। बाद में पता चला कि जिस वक्त नाबालिग पीड़ता की गोली मारकर हत्या की गई उस वक्त आरोपी अस्पताल में अपने बीमार पिता की देख रेख कर रहा था। पीडिता के परिजनों को आशंका थी कि ये नाबालिग कहीं रेप के आरोपी को बचाने के लिए बयानों से बदल न जाए। इसलिए उसे मौत के घाट उतार दिया गया। संभल के एसपी कृष्ण कुमार ने सोमवार को बताया, परिवार ने अपनी बेटी की हत्या इसलिए कर दी क्योंकि उन्हें लगा कि वह परिवार की इज्जत खराब कर रही है। उसकी मां, मामा, और दो भाइयों ने मिलकर उसकी हत्या की है।

पुलिस का दावा है कि हत्या रेप के आरोपी ने नहीं बल्कि खुद पीड़िता के परिवार ने की थी। हत्या की योजना भी उसकी मां ने ही बनाई थी। हत्या के समय 17 साल की नाबालिग अपनी मां और भाई के साथ बाइक पर सवार थे। उन्होंने पुलिस को बताया कि रास्ते में उन पर कार सवार लोगों ने हमला किया और नाबालिग को तीन गोलियां मारी गईं। इसमें मुख्य आरोपी रेप के आरोपी रिंकू को बनाया गया। पुलिस को शक तब हुआ जब उन्होंने देखा कि इस हमले में लड़की के साथ बाइक पर सवार मां और भाई को कोई खरोंच भी नहीं आई। इसके अलावा आरोपी रिंकू से जुड़ी एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई। घटना के समय वह अस्पताल में अपने बीमार पिता की देखभाल कर रहा था। कुछ समय बाद उनकी भी मृत्यु हो गई।इस जानकारी के बाद पुलिस ने नाबालिग के परिवार से सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में ही खुलासा हुआ कि लड़की की मां ने उसकी हत्या की योजना बनाई थी। उसे शक था कि अदालत में बेटी इस बात से मुकर जाएगी कि रिंकू ने उसके साथ रेप किया था। इससे पहले नाबालिग रिंकू के साथ भाग गई थी। इसके बाद रिंकू पर रेप का आरोप लगाया गया था। पूछताछ के दौरान पुलिस ने पाया कि लड़की की मां हाल ही में उसे गाजियाबाद से वापस लाई थी।

## अब मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर का प्रसाद विवादों में, प्रसाद की टोकरी में मिला चूहा !

मुंबई, ( ईएमएस )। प्रसिद्ध तिरूपति बालाजी मंदिर के प्रसाद ने पूरे देश में सनसनी फैला दी है। अब मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर के प्रसाद को लेकर विवाद चल रहा है और प्रसाद भी काफी चर्चा में आ गया है। दरअसल सिद्धिविनायक मंदिर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। खबर है कि सिद्धिविनायक मंदिर में प्रसाद की टोकरियों में चूहे होने का दावा करने वाला एक वीडियो इस समय वायरल हो गया है। अब इस मुद्दे पर नया विवाद खड़ा होने के संकेत मिल रहे हैं. वीडियो में दावा किया गया है कि मंदिर में प्रसाद की टोकरी में चूहे हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद मंदिर क्षेत्र की साफ-सफाई को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। हालांकि सिद्धिविनायक मंदिर प्रशासन ने साफ किया है कि इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है। प्रशासन का कहना है कि ये वीडियो मंदिर के बाहर का हो सकता है। अधिकारियों ने कहा कि मंदिर परिसर में हमेशा साफ-सफाई रहती है. उधर राज्य के सांस्कृतिक मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने ये स्पष्ट किया कि प्रसाद की टोकरी में चूहों के वीडियो की जांच की जाएगी और जांच कराई जाएगी। मुनगंटीवार ने यह भी कहा कि घटना की जांच मंदिर प्रशासन द्वारा की जाएगी और उचित स्पष्टीकरण दिया जाएगा। इस वायरल फोटो और वीडियो की भी जांच की जाएगी। ज्ञात हो कि सिद्धिविनायक मंदिर में हर दिन करीब 50 हजार लड्डू बनाए जाते हैं। प्रसाद के एक पैकेट में 50-50 ग्राम की दो लड्डु होती हैं।

## संपत्ति ब्योरा नहीं देने वाले कर्मचारियों को नहीं मिलेगा सितंबर का वेतन

लखनऊ,( ईएमएस )। उत्तर प्रदेश में राज्य कर्मचारियों को संपत्ति का ब्योरा नहीं देना अब भारी पड़ सकता है। दरअसल ऐसे कर्मचारियों को सितंबर महीने का वेतन नहीं मिलेगा। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और विभागाध्यक्षों को आदेश जारी करते हुए कहा है कि मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति की घोषणा करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों का ही वेतन जारी किया जाएगा। संपत्ति की घोषणा करने की आखिरी तारीख 30 सितंबर निर्धारित की गई है।

मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया है कि संपत्ति का विवरण न देने वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए सरकार सख्त कदम उठा सकती है। यदि किसी कर्मचारी ने अपना संपत्ति ब्योरा नहीं दिया, तो संबंधित डीडीओ का वेतन भी रोका जा सकता है। आदेश में कहा गया है कि मानव संपदा पोर्टल पर संपत्ति का ब्योरा उपलब्ध कराने वाले कर्मचारियों को ही सितंबर महीने का वेतन मिलेगा।

## पहले बढ़ती उम्र का तंज...फिर फटकार के बाद नीतिश को बताया मानस पिता

जदयू नेता और मंत्री अशोक चौधरी का यूटर्न

पटना ( ईएमएस )। बिहार की सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड में सब ठीक नहीं है। यह सवाल इसकारण उठ रहा हैं, क्योंकि जदयू नेता और नीतीश सरकार में मंत्री अशोक चौधरी के ट्वीट ने राजनीतिक माहौल गरमा दिया है। चौधरी ने पहले बढ़ती उम्र का जिक्र कर इशारों में तंज कसा। फिर सीएम हाउस में तलब होने के बाद उनके तेवर नरम देखने को मिले। चौधरी ने अब नीतीश को मानस पिता बताकर विवाद को खत्म करने की कोशिश की है।

दरअसल, अशोक चौधरी के विवादित बयान चर्चा में रहे हैं। 31 अगस्त को उन्होंने भूमिहारों को लेकर विवादास्पद टिप्पणी की थी। चौधरी का कहना था कि मैं भूमिहार जाति को अच्छे से जानता हूं। जब लोकसभा चुनाव हुआ तब इस जाति के लोग नीतीश का साथ छोड़कर भाग गए।

वहीं जदयू के एमएलसी नीरज कुमार ने चौधरी के ट्वीट पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार पर कोई सवाल खड़े नहीं कर सकता है। आज जनता दल यूनाइटेड की पहचान नीतीश की वजह से है। मुझे चौधरी के नाराजगी के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

## कांग्रेस ने एसआईआईएल मामले में एसबीआई की भूमिका पर सवाल उठाया

नई दिल्ली ( ईएमएस )। कांग्रेस ने सुप्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया लिमिटेड ( एसआईआईएल ) नामक कंपनी में बकाया ऋण को इक्विटी में बदलने के भारतीय स्टेट बैंक के कथित फैसले पर कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक को मामले में कदम उठाकर निर्णय की प्रक्रिया की जांच करना चाहिए है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने खबर का हवाला देकर टिप्णी की। उन्होंने पोस्ट किया, एक असाधारण कदम उठाते हुए, एसबीआई ने दिवालिया घोषित होने वाली कंपनी सुप्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर इंडिया लिमिटेड ( एसआईआईएल ) में अपने बकाया ऋण को इक्विटी में बदलने का फैसला किया है। स्टेट बैंक सहित अन्य ऋणदाताओं ने ऋण पर 93.45 प्रतिशत का हेयरकट लिया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह व्यवस्था भारत के कॉर्पोरेट ऋण परिदृश्य में एक खतरनाक मिसाल कायम करने वाली है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया, यह कदम चूक ( डिफॉल्ट ) करने वाली अन्य कंपनियों को इसतरह के सौदे की तलाश के लिए प्रोत्साहित करेगा, जहां कंपनियां चूक के बाद भी नियंत्रण और वैल्यू बनाए रख सकते हैं। रमेश ने कहा कि यह भारत के दिवालियापन समाधान ढांचे की प्रभावशीलता और संकटग्रस्त संपत्तियों के प्रबंधन में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका पर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा, ऐसा लगता है कि स्टेट बैंक सार्वजनिक धन की वसूली की जगह चूक करने वाले ऋणदाता के हितों से खुद को जोड़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक को इस मामले में कदम उठाने और स्टेट बैंक के निर्णय लेने की प्रक्रिया की जांच करने की जरूरत है।

## सेक्स एजुकेशन भारत के लिए बेहद जरूरी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,( ईएमएस )। सेक्स एजुकेशन को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि सेक्स एजुकेशन को वेस्टर्न कॉन्सेप्ट मानना गलत है, इस शिक्षा की भारत में ज्यादा जरुरत है और इससे युवा पीढ़ी में अनैतिकता भी नहीं बढ़ती है।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचुड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा ने चाइल्ड पोनोग्राफी मामले में मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए जो टिप्पणी की वह सेक्स एजुकेशन मामले में भी बहुत अहम मानी जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बहुत सारे लोग सेक्स एजुकेशन को भारतीय मूल्यों के विपरीत मानते है। इस कारण अनेक राज्यों में यौन शिक्षा पर पाबंदी लगाई गई है। इस विरोध के चलते ही युवाओं को सटीक जानकारी नहीं मिल पाती है। ऐसे में युवा इंटरनेट का सहारा लेते हैं, जहां उन्हें अक्सर ही भ्रामक जानकारी मिलती है।

## वैश्विक रेटिंग एजेंसी ने भारतीय जीडीपी विकास दर अनुमान को 6.8 प्रतिशत रखा

आरबीआई कर सकता ब्याज दरों में कटौती

नई दिल्ली ( ईएमएस )। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारतीय जीडीपी विकास दर अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। साथ ही कहा है कि भारतीय रिजर्व बैंक ( आरबीआई ) द्वारा अक्टूबर में ब्याज दरों में कटौती हो सकती है।

रेटिंग एजेंसी की ओर से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के लिए कहा गया कि वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की जीडीपी 6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी है। भारत की मजबूत विकास दर महंगाई में प्रबंधन में आरबीआई की मदद करेगी। रिपोर्ट में बताया गया कि जुलाई के बजट में भारत सरकार की ओर से स्पष्ट हुआ हैं कि वह वित्तीय समेकन के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी खर्च जारी रखा जाएगा। वित्त वर्ष 2024-25 के बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से पूंजीगत खर्च के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये का फंड आवंटित हुआ। वहीं, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य घटाकर 4.5 प्रतिशत कर दिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया कि महंगाई आरबीआई के टारगेट 4 प्रतिशत के नीचे आ गई है। इसके बाद आरबीआई द्वारा अक्टूबर में होने वाली एमपीसी की बैठक में ब्याज दरों को कम किया जा सकता है। हमें उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में दो बार ब्याज दरों में कटौती हो सकती है। वैश्विक रेटिंग एजेंसी की ओर से 2024 के लिए चीन की विकास दर को 4.8 प्रतिशत से घटाकर 4.6 प्रतिशत कर दिया गया है।

## साइबर फ्रॉड पर नकेल : गृह मंत्रालय के आदेश पर लाखों मोबाइल बंद

नई दिल्ली,( ईएमएस )। देश में लगातार बढ़ रहे साइबर अपराध पर नकेल कसने के लिए सरकार ने सख्त कदम उठाया है। इसके चलते लगातार अनेक बड़े कदम उठाए गए हैं और तरह-तरह के उपाय किए जा रहे हैं। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्रालय ( एमएचए ) के साइबर विंग के आदेश पर करीब 06 लाख मोबाइल फोन्स को बंद कर दिया गया है। इसके साथ ही करीब 65 हजार साइबर फ्रॉड करने वाले यूआरएल को भी ब्लॉक कर दिया गया है। यहां बताते चलें कि साइबर फ्रॉड रोकने के लिए गृह मंत्रालय का घ्4सी विंग लगातार बड़े कदम उठा रहा है। लाखों की संख्या में बंद किए गए मोबाइल फोन्स से साइबर फ्रॉड में काफी कुछ लगाम लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

ऑनलाइन फ्रॉड के बढ़ते मामलों पर रोक लगाने केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। स्मार्टफोन और इंटरनेट के बढ़ते इस्तेमाल के कारण ऑनलाइन साइबर फ्रॉड और स्कैम के मामले भी तेजी से बढ़े हैं। प्रतिदिन हजारों फ्रॉड के मामले सामने आते हैं। ऐसे में साइबर फ्रॉड पर रोक लगाने केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए चार दिन पहले ही साइबर सस्पेक्ट रजिस्ट्री की शुरुआत की है। यहां बताते चलें कि लोगों की सेफ्टी के लिए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने साइबर सस्पेक्ट रजिस्ट्री की शुरुआत की थी। जो कि देश भर में साइबर अपराध संदिग्धों के समेकित डेटा के साथ एक केंद्रीय-स्तरीय डेटाबेस के रूप में काम करेगी। इसके बाद ही केंद्रीय गृह मंत्रालय के साइबर विंग के आदेश पर करीब 06 लाख मोबाइल फोन्स को बंद किया गया है। वहीं करीब 65 हजार साइबर फ्रॉड करने वाले यूआरएल को भी ब्लॉक किया गया है। इस प्रकार साइबर फ्रॉड रोकने के लिए गृह मंत्रालय की घ्4सी विंग लगातार बड़े कदम उठा रही है।

## जम्मू कश्मीर में दूसरे चरण का मतदान आज

-मेंढर में भारी सुरक्षा बल किया तैनात

पुंछ( ईएमएस )। जम्मू कश्मीर में हो रहे विधानसभा चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। कल यानी 25 सितंबर को दूसरे चरण का मतदान होना है। पुंछ जिले के मेंढर सब डिविजन में संवेदनशीलता को देखते हुए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। स्थानीय प्रशासन और चुनाव आयोग ने मतदाताओं से अपील की है कि वह बिना किसी भय के अपने मताधिकार का प्रयोग करें। चुनावों के दौरान संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए भी विशेष निगरानी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि तैनात किए गए जवानों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को सुचारू और सुरक्षित सम्पन्न कराने के लिए 142 पोलिंग बूथों पर सुरक्षाबलों को तैनात करने का निर्णय लिया है। सुरक्षा बलों की तैनाती का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अशांति को रोकना और वोटरों को सुरक्षित माहौल देना है।

दूसरे चरण के चुनाव को देखते हुए तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं ने वोटरों को साधने के लिए तरह-तरह के वादे किए हैं। कुछ नेताओं ने विशेष रूप से आर्टिकल 370 की वापसी की बात कही है, जो पिछले कुछ वर्षों से चर्चा का विषय बना हुआ है। उनका कहना है कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है, तो वह आर्टिकल 370 को वापस लागू करने का प्रयास करेंगे। इसके अलावा, विकास, रोजगार और सामाजिक कल्याण से जुड़े वादे भी किए गए हैं।बता दें कि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के चुनाव के लिए सोमवार को चुनाव-प्रचार थम गया है। दूसरे चरण में 26 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। कश्मीर के तीन जिलों की 15 सीट और जम्मू के तीन जिलों की 11 सीट पर वोट डाले जाएंगे। दूसरे चरण के मतदान में 239 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होना है।

## अमेरिका दौरे से वापस दिल्ली लौटे पीएम मोदी

नई दिल्ली ( ईएमएस )। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीन दिवसीय अमेरिकी यात्रा समाप्त कर भारत वापस आ गए। वे विमान से मंगलवार रात दिल्ली हवाई अड्डे पहुंचे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने शनिवार को विलमिंगटन में क्वाड ( चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद ) देशों के नेताओं के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। उन्होंने रविवार को लॉन्ग आइलैंड में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के हजारों सदस्यों के विशाल कार्यक्रम को संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के भविष्य का शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने इन तीनों दिन विश्व के नेताओं के साथ द्विपक्षीय चर्चा भी की। उनके दौरे को देश में उनकी सरकार के साथियों समेत उनकी अपनी पार्टी के दिग्गज नेताओं ने ऐतिहसिक करार दिया है।

पीएम मोदी तीन दिवसीय अमेरिकी यात्रा के दूसरे चरण के तहत न्यूयॉर्क में थे। वहां उन्होंने वैश्विक संघर्षों की पृष्ठभूमि में आयोजित संयुक्त राष्ट्र के भविष्य के शिखर सम्मेलन को संबोधित किया।

पीएम मोदी ने टो लाम से मुलाकात की। उन्होंने 'एक्स पर लिखा, ''वियतनाम के राष्ट्रपति टो लाम से मुलाकात की। हमने भारत-वियतनाम मैत्री के पूर्ण आयाम पर चर्चा की। हम कनेक्टिविटी, व्यापार, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच मैत्री बढ़ाने के तरीकों पर भी चर्चा की।

इससे पहले पीएम मोदी फलस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास से मुलाकात की और गाजा में मानवीय स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की तथा क्षेत्र में शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली के लिए भारत के समर्थन की पुष्टि की।

## शाह के बयान पर बांग्लादेश सरकार ने ढाका में भारतीय उप उच्चायुक्त को दिया नोटिस

नई दिल्ली ( ईएमएस )। बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर सवाल उठाए गए हैं, जिसमें उन्होंने झारखंड सरकार पर बांग्लादेशी घुसपैठ बढ़ाने के आरोप लगाए थे।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने ढाका में भारतीय उप उच्चायुक्त को एक नोट थमाया है। रिपोर्ट के अनुसार, नोट के जरिए बांग्लादेश ने गंभीर आपत्ति, दुख और खासी नाराजगी जाहिर की है। खबर है कि ढाका ने भारत सरकार से कहा है कि अपने नेताओं को बांग्लादेशियों के खिलाफ आपत्तिजनक और अस्वीकार्य बयान देने से बचने की सलाह दे।

रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा है कि जिम्मेदार नेताओं की तरफ से पड़ोसी देश के नागरिकों के खिलाफ की जा रहीं टिप्पणियां साझा सम्मान और दो देशों के बीच समझ के भाव को कमजोर करती हैं।

शाह ने झारखंड मुक्ति मोर्चा की अगुवाई वाली गठबंधन सरकार पर वोट बैंक की राजनीति के लिए अवैध घुसपैठ को बढ़ावा देने के आरोप लगाए थे। साथ ही उन्होंने कहा था कि अगर ध्यान नहीं दिया गया, तो ये अप्रवासी 25-30 साल में राज्य में बहुसंख्यक हो जाएंगे। उन्होंने शुक्रवार को कहा था, राज्य में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। वे हमारी बेटियों से शादी कर रहे हैं, जमीन हड़प रहे हैं और समृध्द आदिवासी संस्कृति और विरासत को तबाह कर रहे हैं। हम हर एक को बाहर कर देंगे।।।।

शाह ने दावा किया था कि संथल परगना में आदिवासी आबादी घुसपैठ की वजह से 44 फीसदी से घटकर 28 प्रतिशत पर आ गई है। उन्होंने साहिबगंज में हुए 1 हजार करोड़ रुपये के घोटाले, सेना जमीन घोटाले और पेपर लीक घोटाले समेत कई स्कैम का जिक्र किया। उन्होंने कहा था, भर्ती परीक्षा के पेपर लीक करने वालों को भाजपा सरकार उल्टा लटका देगी।

## बिहार में बाढ़ से हाहाकार, 12 जिलों में खतरे के निशान से ऊपर गंगा

नई दिल्ली ( ईएमएस )। बिहार में गंगा 12 जिलों में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है और कथित तौर पर इसने ममलखा जिले में कम से कम 10 घरों को निगल लिया है। लखीसराय में किउल जैसी अन्य नदियों के उफान के कारण एक पुल भी झुक गया है। स्थिति बिगड़ने के बाद, पटना जिला प्रशासन ने छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 76 सरकारी स्कूलों को 26 सितंबर तक बंद रखने की अवधि बढ़ा दी।

बिहार के लखीसराय जिले में किउल नदी पर बने मालिया तेतरहाट पुल का एक हिस्सा सोमवार को झुक गया, जो 24 घंटे के भीतर राज्य में दूसरी घटना है। इसके बाद रविवार रात पटना जिले में बख्तियारपुर-ताजपुर गंगा महासेतु पुल का एक निर्माणाधीन हिस्सा ढह गया। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क निर्माण विभाग द्वारा निर्मित इस पुल का उद्घाटन 2014 में हुआ था। पिछले कुछ महीनों में बिहार में दर्जनों पुल और पुल ढह गए हैं, जिससे उनके निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हाल ही में राज्य के सभी पुराने पुलों का सर्वेक्षण करने का निर्देश दिया है।

बिहार के ममलखा जिले में, उफनती गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर उठ गई है और कम से कम 10 घरों को निगल गई है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ( डीएमडी ) ने कहा कि अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने स्थिति का आकलन करने और जलस्तर में संभावित वृद्धि के लिए तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए 12 जिलों के अधिकारियों के साथ एक वर्चुअल समीक्षा बैठक की।

डीएमडी के अनुसार, गंगा के किनारे लगभग 12 जिलों में बाढ़ जैसी स्थिति है, जिससे निचले इलाकों में रहने वाले लगभग 13.56 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें कहा गया है कि कुल 376 ग्राम पंचायतें प्रभावित हुई हैं, जिनमें से कई निवासियों को शिविरों में पहुंचाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि 12 प्रभावित जिले बक्सर, भोजपुर, सारण, वैशाली, पटना, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, भागलपुर और कटिहार हैं।

## कंगना ने किसानों के लिए कही बड़ी बात, खुश हो जाएंगे किसान!

मंडी( ईएमएस )। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा कि किसानों के जो हितकारी घाटे हैं, उन्हें पूरा किया जाना चाहिए। इसके लिए किसानों को भी चाहिए, वे अपनी आवाज को उठाएं, क्योंकि, वे देश के अन्नदाता हैं और उन्हें अपनी बात रखने के लिए आगे आना चाहिए। हालांकि, कंगना ने यह भी कहा कि उनका यह बयान विवादित बना दिया जाएगा।मंडी में सोमवार को कंगना रनौत ने कहा कि जिस उम्र में लड़कियां प्रेम पत्र लिखती हैं, उस उम्र में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में स्क्रिप्ट लिखी हैं। उन्हें सही ढंग से अपना बचपन जीने को ही नहीं मिला है, जबकि दूसरी तरफ सोनिया गांधी के बच्चों का बुढ़ापे में भी बचपन समाप्त ही नहीं हो रहा है। मंडी के गोहर उपमंडल के ख्योड़ में 8 दिवसीय जिला स्तरीय नलवाड़ मेले के समापन समारोह में कंगना पहुंची थी।

## सिद्धारमैया की याचिका खारिज, क्या राहुल भ्रष्टाचार की दुकान पर लेंगे एक्शन?

-भाजपा ने आरोप लगाकर कांग्रेस से पूछा

बेंगलुरु ( ईएमएस )। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कथित मुडा घोटाले में अभियोजन के लिए राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती देने वाली सीएम सिद्धारमैया की याचिका खारिज हो गई है। इसके बाद से राज्य में सियासत तेज है। भाजपा ने इस लेकर सत्ताधारी कांग्रेस पर निशाना साधा है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को हमें बताना चाहिए कि कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले के बाद क्या मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का पद पर बने रहना उचित है? सिद्धारमैया को पद छोड़ना होगा। उन्होंने वह जमीन लूट ली जो एससी/एसटी समुदाय के लोगों के लिए थी।

बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने कहा कि मुडा घोटाले में 5000 करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया है। सिद्धारमैया के परिवार और दोस्तों को फायदा हुआ। कांग्रेस पार्टी को एससी/एसटी समुदाय के लोगों की कोई परवाह नहीं है। क्या राहुल गांधी भ्रष्टाचार की दुकान पर लेंगे एक्शन? बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि पहले भी स्पष्ट कहा था कि मुडा घोटाले में सीधे तौर पर सीएम शामिल थे। भाजपा ने भ्रष्ट मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए बेंगलुरु से मैसूरु तक पदयात्रा निकाली।

उन्होंने कहा कि मामला राज्यपाल के कार्यालय तक पहुंचा और राज्यपाल ने कागजात देखने और विशेषज्ञों से चर्चा करने के बाद मुकदमा चलाने की अनुमति दी। सीएम और उनके कैबिनेट सहयोगियों ने राज्यपाल कार्यालय के खिलाफ कई आरोप लगाए। विजयेंद्र ने कहा कि इस फैसले से साफ है कि सीएम और उनका परिवार घोटाले में शामिल है। हम पिछले दो माह से मुडा घोटाले में सीएम के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि सीएम सिद्धारमैया हाई कोर्ट के फैसले का सम्मान कर इस्तीफा दें।

## सुप्रीम कोर्ट ने मान सरकार को फटकार......ये धोखाधड़ी बंद करे

नई दिल्ली ( ईएमएस )। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब की मान सरकार की उस अपील को खारिज किया है। जिसमें राज्य में स्नातक मेडिकल और डेंटल कोर्स में दाखिले के लिए एनआरआई कोटा की परिभाषा का विस्तार करने के उसके फैसले को रद्द करने के हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील की गई थी।

एनआरआई कोटे के दायरे में वृद्धि के मामले में सुनवाई कर सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ पंजाब सरकार की अपील खारिज कर कहा कि यह धोखाधड़ी बंद होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एनआरआई के दूर के रिश्तेदारों को चिकित्सा महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए कोटा का लाभ नहीं दिया जा सकता।

10 सितंबर को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने मान सरकार के 20 अगस्त के कदम को खारिज कर दिया, जिसमें मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश में इस समूह के लिए 15 प्रतिशत कोटा के तहत प्रवेश के लिए एनआरआई कोटे के दायरे को बढ़ाकर एनआरआई के दूर के रिश्तेदारों जैसे चाचा, चाची, दादा-दादी और चचेरे भाई को शामिल किया था। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि यह कुछ और नहीं बल्कि पैसा कमाने की मशीन है।

## सभी ढाबों और रेस्टोरेंट में संचालक, प्रोप राइटर, मैनेजर का नाम और पता डिस्प्ले हो

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का फरमान

लखनऊ ( ईएमएस )। देश के सबसे बड़े सूबे उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/गंदी चीजों की मिलावट करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी होटलों/ढाबों/रेस्टोरेंट आदि संबंधित प्रतिष्ठानों की गहन जांच, सत्यापन आदि के भी निर्देश दिए हैं साथ ही आम जन की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए नियमों में आवश्यकतानुसार संशोधन के भी निर्देश दिए।

हाल के दिनों में देश के विभिन्न क्षेत्रों में जूस, दाल और रोटी जैसी खान-पान की वस्तुओं में मानव अपशिष्ट/अखाद्य/गंदी चीजों की मिलावट की घटनाएं देखने को मिली हैं। ऐसी घटनाएं वीभत्स हैं और लोगों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली हैं। उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस प्रबंध किए जाने आवश्यक हैं।

इसके लिए प्रदेश के सभी ढाबों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों की जांच की जानी आवश्यक है। प्रदेशव्यापी सघन अभियान चलाकर इन प्रतिष्ठानों के संचालक सहित वहां कार्यरत सभी कर्मचारियों का सत्यापन कराए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, पुलिस व स्थानीय प्रशासन संयुक्त टीम द्वारा यह कार्यवाही शीघ्रता से सम्पन्न करें। इसके साथ ही खान-पान के प्रतिष्ठानों पर संचालक, प्रोपराइटर, मैनेजर आदि के नाम और पता प्रमुखता से डिस्प्ले होना चाहिए। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम में आवश्यकतानुसार संशोधन भी किया जाए।

ढाबे/होटलों/रेस्टोरेंट आदि खान-पान के प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी की व्यवस्था हो। न केवल ग्राहकों के बैठने के स्थान पर बल्कि प्रतिष्ठान के अन्य हिस्सों को भी सीसीटीवी से कवर होना चाहिए। यह सुनिश्चित करें कि हर प्रतिष्ठान संचालक सीसीटीवी की फीड को सुरक्षित रखेगा और आवश्यकता पर पुलिस/स्थानीय प्रशासन को उपलब्ध कराएगा। वहीं खान पान के केंद्रों पर साफ-सफाई होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि खाद्य पदार्थों को तैयार करने तथा सर्विस के समय संबंधित व्यक्ति मास्क/ग्लव्स का उपयोग जरूर करें, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए

आम जन के स्वास्थ्य हितों से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। ऐसा प्रयास करने वालों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाए। खाद्य पदार्थों को बनाने, बेचने अथवा अन्य संबंधित गतिविधियों से जुड़े नियमों को व्यवहारिकता का ध्यान रखते हुए और सख्त किया जाए। नियमों की अवहेलना पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

## जन हितैषी

# एआई आधारित टेक कंपनियों की नजर भारत पर

भारत के प्रधानमंत्री अमेरिका की यात्रा पर गए थे। न्यूयॉर्क के मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की ओर से गोलमेज सम्मेलन आयोजित किया गया था। इसमें अमेरिका की 15 टेक कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया। सभी कंपनियों का फोकस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ऊपर था। भविष्य में एआई तकनीकी पर आधारित सेवाओं पर टेक कंपनियों को अरबों खरबों रुपए की कमाई भारत से होने जा रही है। इसको लेकर विश्व भर की सभी टेक कंपनियां भारत के साथ अपने व्यापार और व्यवसाय को बढ़ाने के लिए सरकार पर दबाव बना रही हैं। एआई रिसर्च के मामले में चीन अभी सबसे आगे है। दूसरे स्थान पर अमेरिका है। भारत का नंबर तीसरा है। अमेरिका की कंपनियां एआई तकनीकी के माध्यम से भारत में अपना व्यवसाय बढ़ाने के लिए प्रयासरत हैं। भारत की आबादी, भारत की सबसे बड़ी पूंजी है। अभी एआई तकनीकी का काम ठीक तरह से शुरू भी नहीं हुआ है। इसके बाद भी हर माह अरबो रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां भारत से कर रही। चैट जीपीटी और गूगल के कई टूल्स भारत में विभिन्न कंपनियों द्वारा मासिक सब्सक्रिप्शन के आधार पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। 1500 रुपए से लेकर ढाई हजार रुपए तक के विभिन्न किस्म के सब्सक्रिप्शन देकर प्रतिमाह अरबों रुपए की कमाई विदेशी कंपनियां करने लगी हैं। एआई तकनीकी अभी प्रारंभिक दौर में है। अगले कुछ ही वर्षों में सभी क्षेत्रों में एआई तकनीकी का उपयोग बड़े पैमाने पर जब होना शुरू हो जाएगा। उस समय टेक कंपनियों के लिए भारत सबसे बड़ा बाजार होगा। गूगल और एनवीडीया सहित कई बड़ी-बड़ी दिग्गज कंपनियां भारत सरकार के विकास की तारीफ करते हुए भारत में अपने व्यवसाय को बढ़ाने की हर संभव कोशिश कर रही हैं। प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा के दौरान वहां की टेक कंपनियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी नजदीकियां बढ़ाने के लिए हर संभव प्रयास की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कंपनियों से कहा है, अगले दो वर्षों में एआई तकनीकी के 85000 से अधिक इंजीनियर और टेक्नीशियन को भारत तैयार करना चाहता हैं। भारत सरकार अनुसंधान और विकास के मामले में भी सहयोग करने के लिए तैयार है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा में टेक कंपनियों के गोलमेज सम्मेलन में भारत में ज्यादा निवेश करने का भरोसा टेक कंपनियों ने दिया हैं। भारत में अभी एआई तकनीकि और सेवाओं को लेकर कोई कानून तैयार नहीं हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ एआई तकनीकी को लेकर नियम और कानून बनाने पर विचार विमर्श कर रही है। अभी एआई तकनीकि शुरुआती दौर में हैं। भारत में जिस तरह से ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार पिछले वर्षों में हुआ है। मोबाइल और इंटरनेट की कनेक्टिविटी जिस तरह से भारत में बढ़ी है। उसके कारण दुनिया भर की टेक कंपनियां, यह मानकर चल रही है। एआई तकनीकी आधारित सेवाओं के शुरू होने पर भारत दुनिया का सबसे बड़ा बाजार होगा। इसलिए बड़ी-बड़ी कंपनियां भारत मैं बड़े पैमाने पर निवेश करने के लिए प्रयासरत हैं। दुनिया में जिस तरह से आर्थिक मंदी की आहट देखने को मिल रही है। एआई तकनीकी आने के बाद बेरोजगारी और भी बढ़ने की बात कहीं जा रही है। मानवीय सेवाओं का स्थान अब रोबोट और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की सहायता से होने पर, बेरोजगारी बढ़ना तय है। भारत की युवा आबादी सबसे ज्यादा है। भारत में बेरोजगारी की दर भी दुनिया में सबसे ज्यादा है। ऐसी स्थिति में एआई तकनीकी के फायदे भारत को कम और विदेशी कंपनियों को आर्थिक लाभ ज्यादा होंगे। भारत अपनी बेरोजगारी की समस्या से किस तरह से निपटेगा। इसका कोई उपाय भारत सरकार ने नहीं सोचा है। विदेशी कंपनियों के दबाव में भारत सरकार को ऐसा लग रहा है। एआई तकनीकी का उपयोग बढ़ने से भारत का तेजी के साथ विकास होगा। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार ऐसा होना संभव नहीं है। शुरुआती दौर में ही जिस तरह टेक कंपनियों द्वारा मनमाना सब्सक्रिप्शन वसूल किया जा रहा है। उससे टेक कंपनियों को आर्थिक रूप से बहुत बड़ा फायदा होगा। भारत में एआई तकनीकी को सीखने और उपयोग में लाने से हर माह अरबो रुपए भारतीय उपभोक्ता खर्च कर रहे हैं। भारतीय युवा एआई तकनीकी पर निर्भर होने के कारण मानसिक दुष्प्रभाव भी आगे चलकर देखने को मिलेंगे। भारत सरकार को बड़ी गंभीरता के साथ इस मामले में निर्णय करना होगा। विदेशी निवेश और टेक कंपनियों के ऊपर भरोसा करने के पहले एआई तकनीकी के प्रभाव और दुष्प्रभाव पर भी सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। टेक कंपनियां अपना एकाधिकार ना बना पाएं, इसके लिए भी सरकार को समय रहते हुए पहले नियम और कानून तैयार करने होंगे। वैश्विक स्तर पर जिस तरह से युद्ध के बादल मंडरा रहे हैं। हाल ही में लेबनान और अन्य देशों में जिस तरह से पेजर, मोबाइल फोन और कंप्यूटर में विस्फोट किए गए हैं। यह भी तकनीकी का कमाल है। पेजर जो ऑनलाइन जुड़े हुए भी नहीं थे। उसके बाद भी बड़े पैमाने पर सुनयोजित रूप से विस्फोट कराकर युद्ध के रूप में तकनीकी का सहारा लिया गया है। इस तरह की स्थितियों से बचने के लिए भी भारत सरकार को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

# श्राद्ध पक्ष में नफरत के तर्पण की जरूरत

दिशाहीन,कसैली,विषैली सियासत पर लिखते-लिखते अब ऊब होने लगी है। इसलिए आज श्राद्ध पक्ष पर लिख रहा हूँ । भारत में श्राद्ध पक्ष का बहुत महत्व है । मान्यताएं हैं ,अस्थायें हैं। हमारे पूर्वजों ने पूर्वजों की आत्मशांति और उनके प्रति शृद्धा व्यक्त करने के लिए पूरे पन्द्रह दिन मुकर्रर किये हैं। पंचभूत में विलीन हमारे पूर्वजों की देह हम नदियों में प्रवाहित कर देते हैं किन्तु उनकी आत्माओं के बारे में हमारे पास कोई प्रबंध नहीं है । हमें लगता है कि पूर्वजों की आत्माएं भटकतीं है। उन्हें भूख-प्यास भी लगती है इसलिए ब्राम्हणों के जरिये ,कौवों के जरिये, पशु- पक्षियों के जरिये हम उन्हें भोजन, वस्त्र और न जाने क्या-क्या पहुँचाने की कोशिश करते हैं। और जब थक जाते हैं,पक जाते हैं , तो पिंडदान कर देते हैं।

स्थापित मान्यताओं के बारे में मुझे कुछ नहीं कहना,क्योंकि ये आज का विषय नहीं है । मेरा तो आग्रह ये है कि हम इस श्राद्ध पक्ष में यदि कुछ तर्पण करना ही चाहते हैं ,पिंडदान करना ही चाहते हैं तो हमें नफरत का ,ईर्ष्या का ,घृणा का पिंडदान करना चाहिए ताकि समाज ,देश ,आसपड़ोस सुख से रह सके। सुख अब दिनों-दिन अलभ्य होता जा रहा है। लोग सुख देने के बजाय उसे छीनने की स्पर्द्धा में जुटे हुए हैं। भारत में ही नहीं अपितु पूरी दुनिया में ये छीना-झपटी चल रही है। छीना-झपटी का चरम युद्ध में तब्दील होजाता है। दुनिया में कहाँ-कहाँ ये नफरत युद्ध में तब्दील हो चुकी है ,ये आप सभी जानते हैं।

बात नफरत की चली तो मुझे भारतीय राजनीति की कुछ महिलाओं की याद आ गयी । दिल्ली की नयी-नवेली मुख्यमंत्री आतिशी भाजपा की नफरत से परेशान हैं। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की कुर्सी खाली रखकर कामकाज करने का फैसला किया तो भाजपा को उदरशूल होने लगा। भाजपा के तमाम भद्र नेता मुख्यमंत्री आतिशी पर राशन-पानी लेकर चढ़ बैठे । उनका कहना है कि ये चमचत्व की पराकाष्ठा है जबकि आतिशी कहतीं हैं कि वे दिल्ली में भरत राज का अनुकरण कर रहीं हैं। कलियुग में भरत राज का अनुकरण अविश्वनीय है,क्योंकि यहां तो भरत के रूप में चम्पाई सोरेन का उदाहरण हैं जो सत्ता कि लालच में अपने ही दल को लात मार चुके हैं। आतिशी चम्पाई सोरेन नहीं हैं,आतिशी है। उनका सम्मान किया जाना चाहिए।

नफरत की आग भाजपा की कलाकार संसद सुश्री कंगना रावत कि दिल में भी धधक रही है। वे भी सन्निपात की शिकार दिखाई देतीं है। वे कब ,क्या बोलेंगीं ये उनका दल भाजपा भी नहीं जानता और इसीलिए कुछ दिन पहले ही कंगना कि एक बयान से भाजपा ने अपने आप को लग कर लिया था । अब वही कंगना रनौत फिर सुर्ख़ियों में है। उन्होंने कहा है कि -हिमाचल प्रदेश सरकार कर्ज लेती है और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की गोद में डाल देती है। इस तरह वह कांग्रेस की झोली भर रही है। सोनिया गांधी ने राज्य के खजाने को खोखला कर दिया है और हिमाचल की ये दुर्दशा हुई है। हिमाचल के बच्चों के भविष्य पर कुल्हाड़ी मारी जा रही है। यह देखकर उन्हें बहुत दुख होता है।उनका दु:ख कब सुख में बदलेगा हम और आप नहीं जानते।

हरियाणा कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कुमारी शैलजा भी इस समय अपनी पार्टी और भाजपा की नफरत का शिकार है। नाराज हैं। चुनाव प्रचार में नजर नहीं आ रही। भाजपा ने उन्हें कांग्रेस छोड़ भाजपा में आने का न्यौता दिया है लेकिन सैलजा ने बिभीषण बनने से इंकार कर दिया है । उनका कहना है कि उनकी देह कांग्रेस कि झंडे में ही लिपटकर विदा होगी । ऐसा समर्पण अब कहाँ देखने को मिलता है।

नफरत की राजनीति कि शिकार देश कि अल्पसंख्यक भी हैं और वे लोग भी जो तिरुपति तिरुमला देवस्थान में लड्डुओं के लिए देशी घी के नाम पर कुछ और सप्लाई करते आये हैं। लेकिन इस नफरत से किसका नुक्सान है और किसका फायदा ये समझना बहुत कठिन है। इसलिए मै बार-बार कहता हूँ कि श्राद्ध पक्ष में पितरों कि साथ उन लोगों कि लिए भी दान-पुण्य करना चाहिए जो नफरत की गिरफ्त में है। नफरत से मोक्ष दिलाने कि लिए कोई नया विधि-विधान आवश्यक हो तो उसका भी इस्तेमाल किया जा सकता है। क्योंकि मेरी मान्यता है कि जब तक समाज में देश में,दुनिया में नफरत है कोई सुख से नहीं रह सकता । न गरीब और न अमीर। सुख की जरूरत सभी को है ,नफरत से मुहब्बत करने वाले लोग बहुत कम हैं और अब दुनिया में हर जगह उनकी शिनाख्त हो चुकी है । नफरत से मुहब्बात करने वाले अल्पसंख्या में हैं ,इसलिए उनसे डरने की नहीं सावधान रहने की जरूरत है।

देश के अल्पसंख्यकों से नफरत करने वाली इकलौती राजनितिक पार्टी भाजपा कुर्सी कि लालच में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में अल्पसंख्यकों कि प्रति उदारता दिखती नजर आ रही है । भाजपा के बड़े नेता और इस दशक के सरदार पटेल हमारे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह साहब ने घाटी कि मुसलमानों को ईद और मोहर्रम पर रसोई गैस कि दो सिलेंडर मुफ्त देने का वादा कर अपने कांग्रेसी होने का एक और प्रमाण दे दिया है । कांग्रेस पर यही भाजपा अल्पसंख्यकों के तुष्टिअकरण की नीति अपनाने का आरोप लगाती आयी है ,लेकिन अब खुद अल्पसंख्यकों का तुष्टिकरण करने कि लिए विवश है। लेकिन ये अच्छी खबर है श्राद्ध पक्ष में भाजपा का दिल कुछ तो बदला। (लेखक-राकेश अचल/ईएमएस)

# प्रकाश की गति मापने वाले पहले वैज्ञानिक -ओले क्रिस्टेंसेन रोमर (1644-1710)

(जन्मतिथि 25,सितम्बर पर विशेष)

ओले क्रिस्टेंसन रोमर एक व्यापारी के बेटे थे, जिनका जन्म 25 सितंबर, 1644 को आरहूस, डेनमार्क में हुआ था। उन्होंने अपनी युवावस्था में आरहूस कैथेड्रल स्कूल में पढ़ाई की और 1662 में स्नातक होने के बाद उन्हें कोपेनहेगन विश्वविद्यालय भेजा गया। वहां उन्होंने मेडिसिन के प्रोफेसर इरास्मस बार्थोलिन के साथ रहकर अध्ययन किया, जो आइसलैंड स्पर में दोहरे अपवर्तन की खोज के लिए जाने जाते हैं। बार्थोलिन ने रोमर का बहुत सम्मान किया और उसे टाइको ब्राहे की पांडुलिपियों के संपादन का काम सौंपा। रोमर ने 1664 से 1670 तक इस परियोजना को जारी रखा और 1671 में ब्राहे की वेधशाला का निरीक्षण करने के लिए बार्थोलिन और जीन पिकार्ड के साथ स्वर्ग की यात्रा की।

1672 में, रोमर पिकार्ड के साथ फ्रांस लौट आए और पेरिस में रॉयल वेधशाला में काम करना शुरू किया। इसके तुरंत बाद, उन्हें राजा लुईस छ्ह द्वारा डॉफिन में खगोल विज्ञान का शिक्षक नियुक्त किया गया, लेकिन उन्होंने फ्रेंच एकेडमी ऑफ साइंसेज के तत्वावधान में वेधशाला में शोध जारी रखा। वहाँ रहते हुए, प्रकाश पर शोध किया वह अपने यांत्रिक कौशल और नवीन दिमाग के लिए सम्मानित हो गए। उन्होंने कई प्लैनिस्फेयर, एक सैटर्निलैबियम, एक जोविलैबियम और एक बेहतर माइक्रोमीटर का उत्पादन किया, जिन्हें तुरंत सामान्य उपयोग के लिए अपनाया गया। 1679 में, उन्हें रॉयल सोसाइटी द्वारा निर्मित पेंडुलम की मापने की क्षमताओं का परीक्षण करने के लिए इंग्लैंड भेजा गया था और उन्होंने उस समय के कई प्रमुख वैज्ञानिक दिमागों से मुलाकात की, जिनमें सर आइजैक न्यूटन, जॉन फ्लेमस्टीड और एडमंड हैली शामिल थे।पृथ्वी के बृहस्पति के करीब आने पर आयो के लगातार ग्रहणों के बीच बीता समय कम होता जाता है और पृथ्वी तथा बृहस्पति के दूर होते जाने पर लंबा होता जाता है। कैसिनी ने इस पर विचार किया था, लेकिन फिर इस विचार को खारिज कर दिया कि यह प्रकाश के लिए एक सीमित प्रसार गति के कारण हो सकता है। 1676 में, रोमर ने घोषणा की कि 9 नवंबर को होने वाला आयो का ग्रहण उसी उपग्रह के पिछले ग्रहणों के आधार पर निकाले गए समय से 10 मिनट बाद होगा। जब घटनाएँ उनके पूर्वानुमान के अनुसार घटित हुईं, तो रोमर ने समझाया कि प्रकाश की गति इतनी है कि प्रकाश को पृथ्वी की कक्षा के व्यास को पार करने में 22 मिनट लगते हैं। (सत्रह मिनट अधिक सटीक होगा।) डच गणितज्ञ क्रिस्टियान ह्यूजेंस ने अपने ट्रैटे डे ला लुमियर (1690; प्रकाश पर ग्रंथ) में, रोमर के विचारों का उपयोग प्रकाश की गति के लिए एक वास्तविक संख्यात्मक मान देने के लिए किया, जो आज स्वीकार किए गए मान के काफी करीब था - हालांकि समय की देरी के अधिक अनुमान और पृथ्वी की कक्षा के व्यास के लिए तत्कालीन स्वीकृत आंकड़े में कुछ त्रुटि के कारण यह कुछ हद तक गलत था।

1679 में रोमर इंग्लैंड के एक वैज्ञानिक मिशन पर गए, जहाँ उनकी मुलाकात सर आइजैक न्यूटन और खगोलविदों जॉन फ्लेमस्टीड और एडमंड हैली से हुई। 1681 में डेनमार्क लौटने पर, उन्हें कोपेनहेगन विश्वविद्यालय में शाही गणितज्ञ और खगोल विज्ञान का प्रोफेसर नियुक्त किया गया। विश्वविद्यालय की वेधशाला में उन्होंने ऊंचाई और अज़ीमुथ सर्कल के साथ एक उपकरण और एक दूरबीन स्थापित की, जो आकाशीय पिंडों की स्थिति को सटीक रूप से मापती थी। उन्होंने 1705 में कोपेनहेगन के मेयर सहित कई सार्वजनिक कार्यालयों को भी संभाला

हालाँकि, रोमर की सबसे बड़ी उपलब्धि प्रकाश की गति का पहला अपेक्षाकृत सटीक माप था, यह उपलब्धि उन्होंने 1676 में हासिल की थी। रॉयल ऑब्ज़र्वेटरी में, रोमर के बृहस्पति के चंद्रमा और उसके बार-बार होने वाले ग्रहणों के अध्ययन ने उन्हें आवधिकता की भविष्यवाणी करने में सक्षम बनाया। चंद्रमा के लिए ग्रहण काल की खोज में सफलता हासिल की हालाँकि, कई महीनों के बाद, उन्होंने देखा कि उनकी भविष्यवाणियाँ धीरे-धीरे लंबे समय के अंतराल में कम सटीक होती जा रही थीं, जिसकी परिणिति लगभग 22 मिनट की अधिकतम त्रुटि के रूप में हुई। फिर, अजीब तरह से, कई महीनों के दौरान उनकी भविष्यवाणियाँ फिर से अधिक सटीक हो जाती हैं, पृथ्वी एक चक्र जो लगातार खुद को दोहराता है। रोमर को जल्द ही एहसास हुआ कि देखी गई विषमता ग्रहों की कक्षीय गति के कारण पृथ्वी और बृहस्पति के बीच की दूरी में भिन्नता के कारण हुई थी। जैसे ही बृहस्पति पृथ्वी से दूर चला गया, प्रकाश को यात्रा करने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ी और इसलिए पृथ्वी तक पहुंचने में अतिरिक्त समय लगा। सत्रहवीं शताब्दी में उपलब्ध पृथ्वी और बृहस्पति के बीच की दूरी के लिए अपेक्षाकृत गलत गणनाओं को बदला , जो 137,000 मील (या 220,000 किलोमीटर) प्रति सेकंड पर प्रकाश की गति का अनुमान लगाने में सक्षम था।

प्रकाश की गति का सटीक माप - ओले रोमर के 1676 के सफल प्रयास से 100 से अधिक जांचकर्ताओं ने विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके कम से कम 163 बार प्रकाश की गति को मापा है। अंततः 1983 में, पहले गंभीर माप प्रयास के 300 से अधिक वर्षों के बाद, वज़न और माप पर सत्रहवीं जनरल कांग्रेस द्वारा प्रकाश की गति को 299,792.458 किलोमीटर प्रति सेकंड के रूप में परिभाषित किया गया था। इस प्रकार, मीटर को उस दूरी के रूप में परिभाषित किया जाता है जो प्रकाश 1/299,792,458 सेकंड के अंतराल पर निर्वात के माध्यम से यात्रा करता है। हालाँकि, सामान्य तौर पर, (कई वैज्ञानिक गणनाओं में भी) प्रकाश की गति लगभग 300,000 किलोमीटर (या 186,000 मील) प्रति सेकंड है।उस समय तक, वैज्ञानिकों ने मान लिया था कि प्रकाश की गति या तो मापने के लिए बहुत तेज़ है या अनंत है। फ्रांसीसी दार्शनिक डेसकार्टेस द्वारा जोरदार तरीके से तर्क दिया गया प्रमुख दृष्टिकोण अनंत गति का पक्षधर था। पेरिस वेधशाला में काम करने वाले रोमर ने जब प्रकाश की गति पाई, तब वे इसकी तलाश नहीं कर रहे थे। इसके बजाय, वे 1610 में गैलीलियो द्वारा खोजे गए बृहस्पति के चार बड़े उपग्रहों में से सबसे भीतरी, आयो की कक्षा के व्यापक अवलोकनों को संकलित कर रहे थे। बृहस्पति द्वारा आयो के ग्रहणों का समय निर्धारित करके, रोमर उपग्रह की परिक्रमा अवधि के लिए अधिक सटीक मान निर्धारित करने की आशा कर रहे थे। सत्रहवीं शताब्दी में ऐसे अवलोकनों का व्यावहारिक महत्व था। गैलीलियो ने स्वयं सुझाव दिया था कि बृहस्पति के उपग्रहों की कक्षीय गति की तालिकाएँ आकाश में एक प्रकार की घड़ी प्रदान करेंगी। दुनिया में कहीं भी नेविगेटर और मानचित्रकार इस घड़ी का उपयोग निरपेक्ष समय (पेरिस वेधशाला जैसे ज्ञात देशांतर के स्थान पर मानक समय) को पढ़ने के लिए कर सकते हैं। फिर, स्थानीय सौर समय का निर्धारण करके, वे समय के अंतर से अपने देशांतर की गणना कर सकते हैं। देशांतर खोजने की यह विधि अंततः अव्यावहारिक साबित हुई और सटीक समुद्री घड़ियों के विकास के बाद इसे छोड़ दिया गया। लेकिन आयो ग्रहण के आंकड़ों ने अप्रत्याशित रूप से एक और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक समस्या हल कर दी- प्रकाश की गति। आयो की परिक्रमा अवधि अब 1.769 पृथ्वी दिवस के रूप में जानी जाती है। पृथ्वी से देखने पर उपग्रह बृहस्पति द्वारा हर परिक्रमा में एक बार ग्रहण किया जाता है। कई वर्षों में इन ग्रहणों का समय निर्धारित करके, रोमर ने कुछ अनोखी बात देखी। जैसे-जैसे पृथ्वी अपनी कक्षा में बृहस्पति की ओर बढ़ती गई, लगातार ग्रहणों के बीच का समय अंतराल लगातार कम होता गया और जैसे-जैसे पृथ्वी बृहस्पति से दूर होती गई, लगातार लंबा होता गया। ये अंतर जमा होते गए। अपने डेटा से, रोमर ने अनुमान लगाया कि जब पृथ्वी बृहस्पति के सबसे निकट थी , तो आयो के ग्रहण कई वर्षों की औसत परिक्रमा अवधि के आधार पर पूर्वानुमान से लगभग ग्यारह मिनट पहले होंगे। और 6.5 महीने बाद, जब पृथ्वी बृहस्पति से सबसे दूर थी , तो ग्रहण पूर्वानुमान से लगभग ग्यारह मिनट बाद होंगे। रोमर को पता था कि आयो की वास्तविक परिक्रमा अवधि का पृथ्वी और बृहस्पति की सापेक्ष स्थिति से कोई लेना-देना नहीं हो सकता। एक शानदार अंतर्दृष्टि में, उन्होंने महसूस किया कि समय का अंतर प्रकाश की सीमित गति के कारण होना चाहिए। यानी, बृहस्पति प्रणाली से प्रकाश को पृथ्वी तक पहुँचने के लिए तब अधिक दूरी तय करनी पड़ती है जब दोनों ग्रह सूर्य के विपरीत दिशा में होते हैं, न कि जब वे एक-दूसरे के करीब होते हैं। रोमर ने अनुमान लगाया कि पृथ्वी की कक्षा के व्यास को पार करने के लिए प्रकाश को बाईस मिनट की आवश्यकता होती है। फिर पृथ्वी की कक्षा के व्यास को समय के अंतर से विभाजित करके प्रकाश की गति पाई जा सकती है। डच वैज्ञानिक क्रिस्टियान ह्यूजेंस, जिन्होंने सबसे पहले अंकगणित किया था, ने प्रकाश की गति के लिए 131,000 मील प्रति सेकंड के बराबर का मान पाया। सही मान 186,000 मील प्रति सेकंड है। अंतर रोमर के अधिकतम समय विलंब के अनुमान में त्रुटियों के कारण था (सही मान 16.7 है, 22 मिनट नहीं), और पृथ्वी के कक्षीय व्यास के बारे में गलत जानकारी के कारण भी। हालांकि, सटीक उत्तर से ज़्यादा महत्वपूर्ण यह तथ्य था कि रोमर के डेटा ने प्रकाश की गति के लिए पहला मात्रात्मक अनुमान प्रदान किया, और यह सही अनुमान था। रोमर 1681 में डेनमार्क लौट आए, जहाँ उन्होंने विज्ञान और सरकार दोनों में एक प्रतिष्ठित करियर बनाया।

उन्होंने अपने समय के सबसे सटीक खगोलीय उपकरणों को डिज़ाइन और निर्मित किया और व्यापक अवलोकन किए। बाद में उन्होंने कोपेनहेगन के मेयर और पुलिस के प्रीफेक्ट के रूप में और अंततः राज्य परिषद के प्रमुख के रूप में कार्य किया।

रोमर की मृत्यु 23 सितम्बर 1710, कोपेनहेगन में हुई वो एक डेनिश खगोलशास्त्री थे जिन्होंने निर्णायक रूप से प्रदर्शित किया कि प्रकाश एक परिमित गति से यात्रा करता है।रोमर को आज बेशक उनके उच्च राजनीतिक पद के लिए नहीं बल्कि प्रकाश की गति को मापने वाले पहले व्यक्ति होने के लिए याद किया जाता है। (संजय गोस्वामी/ईएमएस)

# सवालः मानसिकता का- भ्रष्टाचार मिटें कैसे...? वैसी सरकारी पहल भी तो हों...?

एक जमाना था, जब राजनीति को सही अर्थों में जनसेवा का सशक्त माध्यम माना जाता था, किंत अब यही माध्यम भ्रष्टाचार का सशक्त माध्यम बन गया है और आज के सत्ताधीश इस सामाजिक कोढ को मिटानें के नही, बल्कि इसके विस्तार के माध्यम बने हुए है, सवाल अब सिर्फ भ्रष्टाचार को सिर्फ आगे बढ़ानें का नही बल्कि उसे कानूनी रूप से रोकने या खत्म करने की शपथ वाली एजेंसियां भी इस कोढ के विस्तार का माध्यम बना दी गई है, आज की राजननीति नें सीबीआई, सीआईडी जैसी सरकारी जोंच ऐजेंसियों को अपने तुच्छ इरादों और मकसदों का माध्यम बना रखा है और इन तथाकथित स्वतंत्र जांच एजेंसियों पर कब्जा कर इन्हें इनके कार्य व दायित्व को ईमानदारी से निभानें में अवरोध पैदा करना शुरू कर दिया है, इन्हें स्वतंत्र रूप से अपने दायित्व निर्वहन की अनुमति ही नही दी जा रही है, इसका ताजा उदाहरण हाल ही में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीबीआई) द्वारा जारी रिपोर्ट है, जिसमें खुलासा किया गया है कि केन्द्रीय अन्वेष्ण ब्यूरो (सीबीआई) गंभीर भग्रष्टाचार सें सम्बन्धित 212 मामलों की जांच करके दोषियों को दण्डित करना चाहती है, लेकिन चूंकि इस जांच के लिए केंद्र व सम्बन्धित राज्य सरकारों की मंजूरी कानूनी तौर पर जरूरी है और केंद्र व सम्बन्धित राज्य सरकारों में विराजित आरोपित अधिकारी व नेता जांच करवाना नही चाहतें, इसलिए सीबीआई इनकी जॉच नही कर पा रही है, सीबीआई के पास ऐसी जॉच की अनुमति के प्रकरण पिछले वर्षों से लम्बित है और सम्बन्धित भ्रष्ट अधिकारी व नेता यह जॉच होनें नही देना चाहते?

अब यहां सवाल यह है कि जिनकी जॉच होना है, वे ही भला जॉच की अनुमति कैसे देगें? यह अनुमति का प्रावधान रखा ही क्यों गया? जब सीबीआई, सीआईडी कों स्वतंत्र जॉच एजेंसी का दर्जा दिया ग्रया है तो फिर उनकी 'स्वतंत्रता' क्यों छीन ली गई? आज इसी बात को लेकर केंद्रीय सतर्कता जॉच आयोग (सीबीआई) कॉफी परेशान है, फिर सवाल यह भी है कि सीबीसी (सतर्कता आयोग) जब कानूनी रूप से स्वतंत्र है तो सलाहो को केन्द्र व राज्य सरकारें मानती क्यों नही है? सीबीआई ने दिसम्बर 2023 तक की जारी अपनी रिपोर्ट में उन मामलों का भी जिक्र किया है, जिनमें जांच में दोषी पाए गए अफसरों के खिलाफ आयोग की सिफारिशों को भी दर-किनार कर दिया गया इनमें विभिन्न मंत्रालयों और केंन्द्र सरकार के अधीन संस्थाऐं (पीएसयू बैंक आदि) शामिल है, सीबीसी केंन्द्रीय मंत्रालायों और पीएसयू बैंकों में मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीबीओ) के जरिए भ्रष्टाचार पर अनियमितताओं पर नजर रखता है।

इस रिपोर्ट में मुख्य राज्य सरकारों व केंद्र शासित राज्यों में लम्बित मामलों की जानकारी भी दी गई है, जिनमें महाराष्ट्र में तीन, उत्तरप्रदेश में दस, पश्चिम बंगाल में चार, जम्मू-कश्मीर में चार, पंजाब में चार, मध्यप्रदेश में एक व अन्य पन्द्रह मामलें है, इन 41मामलों में 149 अधिकारी शामिल बताए गए है। इनके अलावा 81 अन्य मामलें तीन माह से ज्यादा पुराने है। लम्बित मामलों में 249 अधिकारियों के खिलाफ 81 मामले लम्बित है, इनकी लम्बे समय से जॉच रिपोर्ट आ जाने के बाद भी अभियोजन की मंजूरी के अभाव मे ये मामले लम्बित है और सरकार के विभिन्न पदों पर अभी भी विराजित ये अधिकारी अपनी भ्रष्टाचार की भूख को शांत नही कर पा रहे है और उसमे दिन दूनी रात चौगनी अभिवृद्धि हो रही है।

अब सीबीआई अपने दायित्व का निर्वहन पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ करना चाहती है, किंतु वह करें कैसे? अभियोजन की मॅंजूरी का अवरोध सामने जो है? अब सवाल यही मूल है कि भ्रष्टाचार मिटे कैसे, उसे मिटाने की किसी को चाहत तो हो? इसका एक ही सरल उपाय है सीबीआई, सीआईडी को जॉच की अनुमति के बन्धन से मुक्त कर उसे स्वतंत्र छोड़ दिया जाए, जो आज कें इस युग मे सम्भव नही है। ....और इस मामलें में स्पष्ट व न्यायपूर्ण सोच के अभाव में यह रोग अब महारोग बनता जा रहा है, जो संक्रमण की तरह हर सरकार को खोखला करता जा रहा है और इस बारे में कहीं किसी भी दिशा या स्तर पर गंभीरता नही है, आखिर यही हाल रहा तो इस देश का क्या होगा? इस सवाल का अब कोई महत्व नही है, क्योंकि इसका उत्तर किसी के पास भी नही है, चिंतित है तो केवल और केवल भ्रष्टाचार से पीड़ित देशवासी। (लेखक-ओमप्रकाश मेहता/ईएमएस)

## शब्द पहेली - 8139



**बाएँ से दाएँ**

1. कथा,गाथा-3
3. भगौना-3
5. पुष्पहार-2
6. वायदा,कसम-2
8. अभिष्ट इच्छापूर्ति,वर-4
11. योग्य,उपयुक्त-3
13. चिंतन,सोच-विचार-3
14. ताश का एक खेल-2
15. संजय दत्त की पहली फिल्म-2
16. चेहरा,शक्ल-3
18. चाकू,खंजर-3
20. उकसाना,चकमा देना -4
23. लक्ष,सौ हजार-2
25. ईश्वर,भगवान-2
26. विदा,गमन-3
27. लेखनी,पेन-3

**ऊपर से नीचे**

1. हुनर,फन-2
2. शांति,वीराना-3
3. चिलमन,ओट,घूंघट-3
4. ज्वालामुखी से निकला गर्म पदार्थ-2
5. माजरा,मुद्दा-3
7. आंगन,बरामदा-3
9. भागना (अंग्रेजी-2)
10. चटपटा,क्षारीय-4
12. कारनामा,करिश्मा-4
16. अच्छे सुर का ज्ञाता-3
17. मालिक,स्वामी-2
19. प्रेम प्रतिद्वंदी(उर्दू-3)
21. बेदखल करना-3
22. फिजूल,व्यर्थ-2
24. गधा,गर्दभ -2
25. एक प्रकार की विदेशी शराब-2

शब्द पहेली -8138 का हल



Jagrutidaur.com, Bangalore

## खेल - समाचार

# भारतीय बैडमिंटन संघ पेरिस पैरालंपिक खेलों के पदक विजेताओं को पुरस्कार देगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। पेरिस पैरालंपिक खेलों के पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ियों को भारतीय बैडमिंटन संघ (बाई) ने पुरस्कार देने की घोषणा की है। भारतीय बैडमिंटन संघ (बाई) के अध्यक्ष डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि बाई पेरिस पैरालंपिक 2024 के पदक विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रयासों के लिए 50 लाख रुपये के संयुक्त पुरस्कार से सम्मानित करेगा। भारत ने पेरिस पैरालंपिक की बैडमिंटन स्पर्धा में पांच पदक जीते जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य शामिल हैं। ये पैरालंपिक खेलों के किसी भी संस्करण में अब तक के सबसे अधिक पदक हैं।

नितेश कुमार ने पुरुष एकल एसएल3 श्रेणी में प्रतिष्ठित स्वर्ण पदक जीता, जबकि सुहास यतिराज (पुरुष एकल एसएल4) ने पेरिस में दोहराई जीत के साथ टोक्यो से अपने रजत पदक में इजाफा किया। थुलसिमथि मुरुगेसन, मनीषा रामदास और नित्या श्री सिवन ने पैरालंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी बनीं। थुलसिमथि ने महिला एकल एसयू5 में रजत और मनीषा ने कांस्य पदक जीता। इस बीच, नित्या ने एसएच6 श्रेणी में कांस्य पदक जीता। स्वर्ण पदक विजेता नितेश को 15 लाख रुपये, रजत पदक विजेता सुहास और थुलसिमथि को 10-10 लाख रुपये और कांस्य पदक विजेता मनीषा और नित्या को 7.5-7.5 लाख रुपये मिलेंगे।

पैरा बैडमिंटन खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए बाई के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, भारतीय पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी विश्व मंच पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और नकद पुरस्कार बाई के लिए पैरालंपिक में देश को पदक जीतने में मदद करने के उनके प्रयासों को मान्यता देने का एक तरीका है।

# आईसीसी ने टी20 महिला विश्वकप के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा की ,भारत की लक्ष्मी शामिल

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने यूएई में अगले माह होने वाले टी20 महिला विश्व कप 2024 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इसमें दस अंपायर और तीन मैच रेफरी शामिल हैं। विश्वकप 3 से 20 अक्टूबर खेला जाएगा। अंपायरों के पैनल में क्लेयर पोलोसाक सहित कई अनुभवी अधिकारी शामिल हैं। पोलोसाक पांचवीं बार आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अंपायरिंग करेंगी जबकि किम कॉटन और जैकलीन विलियम्स अपने चौथे विश्व कप में अंपायरिंग करेंगी।

सू रेडफर्न चौथी बार पैनल में शामिल की गयी हैं। वहीं जिम्बाब्वे की सारा डंबनेवाना अपनी बार अंपायरिंग पैनल में हैं। मैच रेफरी की टीम में भारत की जीएस लक्ष्मी को भी जगह मिली है। वह 2012 में टी20 मैच में रेफरी रहीं थी और 2023 में फाइनल में भी रैफरी रहीं थी। उनके साथ शैंड्रे फ्रिट्ज़ और मिशेल परेरा भी शामिल हैं।

आईसीसी के वरिष्ठ प्रबंधक अंपायर और रेफरी, सीन ईज़ी ने कहाः आईसीसी को खेल में महिलाओं की उन्नति में योगदान देने पर गर्व है। आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 के लिए पूरे महिला पैनल की घोषणा करना गर्व का अनुभव है। द्विपक्षीय और अन्य क्रिकेट मैचों में अपने हालिया प्रदर्शन के आधार पर इस आयोजन के लिए सबसे योग्य अंपायरों के रूप में चुने गए इस समूह में दुनिया भर की कुछ बेहतरीन अंपायर शामिल हैं। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 के लिए मैच रेफरी : शैंड्रे फ्रिट्ज, जीएस लक्ष्मी, मिशेल परेरा। अंपायरों का पैनलः लॉरेन एगेनबैग, किम कॉटन, सारा डंबनेवाना, अन्ना हैरिस, निमाली परेरा, क्लेयर पोलोसाक, वृंदा राठी, सू रेडफर्न, एलोइस शेरिडन, जैकलीन विलियम्स।

# बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में विराट, अश्विन और जडेजा बना सकते हैं कई रिकार्ड

कानपुर (ईएमएस)। यहां 27 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम तैयार है। चेन्नई टेस्ट में 280 रनों की बढ़ी जीत के साथ ही भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। ऐसे में उसका लक्ष्य दूसरे टेस्ट को भी जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल करना रहेगा। वहीं दूसरी ओर बांग्लादेश टीम भी ये मैच जीतकर सीरीज बराबर करने के प्रयास करेगी।

कानपुर में भारतीय टीम के कई खिलाड़ी रिकार्ड बना सकते हैं। अगर भारतीय टीम कानपुर टेस्ट जीतती है, तो वो टेस्ट की चौथी सबसे सफल टीम बन सकती है। भारतीय टीम ने अब तक 580 में से 179 मुकाबले जीत लिए हैं, इतने ही टेस्ट दक्षिण अफ्रीका ने भी जीते हैं। कानपुर टेस्ट जीतकर भारत, दक्षिण अफ्रीका से आगे निकल जाएगा। वहीं व्यक्तिगत रिकॉर्ड की बात करें तो, कानपुर में महज 35 रन बनाते ही विराट 27 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले चौथे खिलाड़ी बन जाएंगे।

उनके नाम दो रिकॉर्ड और जुड़ सकते हैं। कोहली 9,000 टेस्ट रन के करीब हैं। हालांकि इसके लिए उन्हें एक एक बड़ी शतकीय पारी खेलनी होगी। साथ ही, विराट कोहली के नाम 114 टेस्ट में 29 शतक हैं। वे बांग्लादेश के खिलाफ एक भी शतक लगाते हैं तो ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज सर डोनाल्ड ब्रैडमैन के 52 टेस्ट में 29 शतक के रिकार्ड की बराबरी कर लेंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक के मामले में वह राहुल द्रविड़ से भी आगे निकल सकते हैं। द्रविड़ के नाम 48 इंटरनेशनल शतक हैं। जबकि रोहित के नाम भी कुल 48 शतक हैं। अगर वो बांग्लादेश के खिलाफ शतकीय पारी खेलते हैं, तो वो द्रविड़ को पीछे छोड़ सकते हैं।

वहीं कानपुर में 9 विकेट लेकर स्पिनर आर अश्विन, नाथन लायन से आगे निकल सकते हैं। लायन के नाम (129 टेस्ट में 530 विकेट), जबकि अश्विन के नाम 101 टेस्ट में 522 विकेट हैं। इसके साथ ही अश्विन के निशाने पर और भी कई बड़े रिकॉर्ड होंगे। वहीं ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा 300 टेस्ट विकेट के करीब। कानपुर में एक और विकेट लेते ही वो टेस्ट में 300 विकेट पूरे कर लेंगे।

# डेविस कप टेनिस के लिए स्पेन ने नडाल और अल्काराज़ को शामिल किया

मैड्रिड (ईएमएस)। स्पेन ने अगले माह होने वाले डेविड कप टेनिस के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इसमें स्टार खिलाड़ियों राफेल नडाल और कार्लोस अल्काराज़ को भी शामिल किया है। स्पेन को 19 से 24 नवंबर के बीच मलागा में नीदरलैंड्स के खिलाफ क्वार्टर फाइनल खेलना है।

वहीं इटली टीम की कमान विश्व नंबर 1 जानिक सिनर संभालेंगे। सिनर 2012-13 के बाद से अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने का प्रयास करेंगे। स्पेन की टीम पर इस मुकाबले में सभी की नजरें रहेंगी।

नडाल, जो 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन हैं। उन्होंने पेरिस ओलंपिक के बाद से खेल नहीं खेला है, और यूएस ओपन तथा लेवर कप से नाम वापस ले लिया था। वहीं दूसरी ओर अल्काराज़ ने इस सत्र में फ्रेंच ओपन और विबलडन जीते हैं और वह अच्छी लय में हैं।

अर्जेंटीना की टीम में सेबस्टियन बाएज़, फ्रांसिस्को सेरुंडोलो और टॉमस मार्टिन एटचेवरी जैसे अच्छे खिलाड़ी शामिल हैं। डेविस कप में दो अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला होगा। अमेरिका की टीम में टेलर फ्रिट्ज़, टॉमी पॉल और बेन शेल्टन जैसे शीर्ष खिलाड़ी शामिल रहेंगे। वहीं जर्मनी और कनाडा के बीच मुकाबला भी कठिन होगा। जर्मनी की टीम का नेतृत्व जान-लेनार्ड स्ट्रूफ करेंगे, जबकि कनाडा की टीम में फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे और डेनिस शापोवालोव जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

# समित द्रविड़ को तीसरे मैच में खेलने का अवसर मिलेगा ? यूथ वनडे सीरीज

पुड्डुचेरी (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कोच रहे राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ को अब यहां 26 सितंबर को यूथ वनडे सीरीज के तीसरे और अंतिम एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलियाई अंडर 19 टीम के खिलाफ खेलने का अवसर मिलता है या नहीं ये देखना होगा।

शुरुआती दोनो ही मैचों में समित टीम में जगह नहीं बना पाये थे। अब तक हुए दोनो ही मैचों में इंडिया अंडर 19 टीम ने जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की है। ऐसे में तीसरे मैच में भी टीम में बदलाव होने की संभावना कम ही है। सीरीज का तीसरा और आखिरी एकदिवसीय मैच 26 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच 30 सितंबर से टेस्ट सीरीज खेली जाएगी।

समित दो साल बाद आयोजित होने वाले अंडर 19 विश्व कप में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि तब तक उनकी उम्र अधिक हो जाएगी। अगला अंडर 19 विश्व कप 2026 में आयोजित होगा। समित ऑलराउंडर के तौर पर खेलते हैं। समित ने हाल में कर्नाटक में महाराजा टी20 लीग कूच बिहार ट्रॉफी में कर्नाटक की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था। उसी के बाद ही चयनकर्ताओं ने उन्हें अंडर 19 टीम में शामिल किया।

# बाजार रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद फिसला , सपाट बंद

मुम्बई ( ईएमएस )। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को सपाट कारोबार हुआ। सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिन रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद बाजार में ये गिरावट मुनाफावसूली हावी होने से आयी। आज इंट्रा डे कारोबार के दौरान बाजार में जो तेजी थी वो शाम होते हुए निकल गयी। आज कारोबार के दौरान एक समय पर सेंसेक्स 85,163.23 के शीर्ष स्तर जबकि निफ्टी 26 हजार के उपर चला गया पर इसके बाद निवेशकों ने जमकर मुनाफावसूली शुरु कर दी जिससे बाजार नीचे आ गया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 14.57 अंक करीब 0.02 फीसदी नीचे आकर 84,914.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 501.35 अंक तकरीबन 0.01 फीसदी की बढ़त के साथ ही 25,940.40 के स्तर पर बंद हुआ।

शेयर बाजार आज भले ही काफी ऊपर आया पर ये तेजी अधिक समय टिक नहीं पायी। इसका एक कारण बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में गिरावट भी रही। निफ्टी बैंक आज 0.25 फीसदी गिर गया। इसमें भी निफ्टी पीएसयू बैंक के शेयर ओवरऑल 0.86फीसदी और निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर 0.28 फीसदी नीचे आये। व्यापक बाजार में, स्मॉलकैप इंडेक्स 0.04 फीसदी गिरकर 57,475 पर बंद हुआ, जबकि बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.21 फीसदी बढ़कर 49,621 पर बंद हुआ।

वहीं सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो मेटल स्टॉक्स का प्रदर्शन आज सबसे अच्छा रहा। निफ्टी मेटल 2.97फीसदी की बढ़त बनाकर बंद हुआ। इसके अलावा, निफ्टी आईटी ( 0.61फीसदी ), निफ्टी ऑटो ( 0.43फीसदी ), निफ्टी ऑयल एंड गैस ( 0.38फीसदी ), निफ्टी फार्मा ( 0.23फीसदी ) और निफ्टी मीडिया ( 0.01फीसदी ) की बढ़त बनाते हुए बंद हुए। निफ्टी पर बैंकिंग शेयरों के अलावा, एफएमसीजी ( 0.77फीसदी ), रियल्टी ( 0.30फीसदी ), हेल्थकेयर ( 0.04फीसदी ) और कंज्यूमर डयूरेबल्स ( 0.20फीसदी ) नीचे आये।

निफ्टी के कुल 25 शेयर जबकि, सेंसेक्स के 15 शेयर आज लाभ के साथ बंद हुए। सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने वाला शेयर टाटा स्टील ( 4.32फीसदी ) रहे। इसके अलावा, हिंडाल्को, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, अदाणी एंटरप्राइजेज, एचसीएल टेक, ओएनजीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज ऑटो, विप्रो और सनफार्मा जैसे स्टॉक्स ने बढ़त बनाई। वहीं, सेंसेक्स पर टाटा स्टील ( 4.29 फीसदी ) टॉप गेनर स्टॉक रहा। इसके अलावा, पावर ग्रिड, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक , महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू टॉप परफॉर्मर रहे।

निफ्टी पर आज सबसे बड़ी गिरावट एसबीआई लाइफ के शेयरों में देखने को मिली। इसके शेयर 2.78 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। वहीं, हिंदुस्तान यूनिलिवर, ग्रासिम, अल्ट्राटेक सीमेंट, श्रीराम फाइनेंस, इंडसइंड बैंक, सिप्ला, हीरो मोटोकॉर्प, एचडीएफसी लाइफ, कोटक महिंद्रा बैंक, नेश्ले इंडिया जैसे स्टॉक्स के शेयर एक फीसदी से ज्यादा गिरे।

वहीं एशियाई बाजारों में, सियोल, टोक्यो, शंघाई और हांगकांग पॉजिटिव सेक्टर में बंद हुए। शंघाई और हांगकांग के बाजार काफी ऊंचे स्तर पर पर बंद हुए। वहीं यूरोपीय बाजार भी ऊपर आये। अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह जब बाजार खुला तो शेयर बाजार में पिछले तीन दिनों से जारी तेजी पर ब्रेक लग गया था। आज सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही गिरावट पर खुले। प्री ओपनिंग सेशन में सेंसेक्स 67.88 अंक 0.080 फीसदी की गिरावट के साथ 84,860.73 के लेवल पर खुला। वहीं, निफ्टी 17.60 अंक 0.068 फीसदी नीचे आकर 25,921.45 के स्तर पर खुला।

# जेलेंस्की ने पीएम मोदी से मुलाकात कर आभार जताया

न्यूयार्क ( ईएमएस )। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति स्पष्ट समर्थन के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की। दोनों नेताओं ने न्यूयॉर्क में मुलाकात की। जेलेंस्की ने बातचीत के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, यह इस साल हमारी तीसरी द्विपक्षीय बैठक है। हम विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। जेलेंस्की ने लिखा, हमारी बातचीत का मुख्य फोकस अंतर्राष्ट्रीय मंचों, विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र और जी-20 में हमारी बातचीत को बढ़ाने के साथ-साथ शांति सूत्र को लागू करने और दूसरे शांति शिखर सम्मेलन की तैयारी करने पर था। संघर्ष को लेकर भारती कूटनीतिक रुख पर जोर देकर जेलेंस्की ने लिखा,मैं हमारी संप्रभुता और क्षेत्रीयः अखंडता के प्रति प्रधानमंत्री मोदी के स्पष्ट समर्थन के लिए आभारी हूं। पीएम मोदी ने बैठक के दौरान कूटनीति और बातचीत के माध्यम से युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के लिए भारत की प्रतिबद्धता जाहिर की। विदेश मंत्रालय ( एमईए ) के अनुसार, पीएम मोदी ने भारत के स्पष्ट, सुसंगत और रचनात्मक दृष्टिकोण पर जोर दिया, जो सभी हितधारकों के बीच जुड़ाव को प्राथमिकता देता है।

बैठक के बाद, पीएम मोदी ने कहा, न्यूयॉर्क में राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की। हम द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती के लिए पिछले महीने यूक्रेन की मेरी यात्रा के परिणामों को क्रियान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# सोना हल्की बढ़त के साथ 74,450 रुपए, चांदी 89,905 रुपए

नई दिल्ली ( ईएमएस )। देश में सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को तेजी देखी जा रही है। मंगलवार को पीली धातु की कीमत मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ( एमसीएक्स ) पर 0.21 फीसदी तेजी के साथ 74,450 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत 0.76 फीसदी की बढ़त के साथ 89,905 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही थी। नई दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोना का भाव सोमवार को 600 रुपए चढ़कर 76,950 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। पिछले कारोबारी सत्र में गुरुवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 76,350 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसके अलावा 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव भी 600 रुपए बढ़कर 76,600 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया। इसका पिछला बंद भाव 76,000 रुपए था। सूत्रों ने स्थानीय बाजारों में सोने की कीमतों में तेजी का श्रेय आभूषण विक्रेताओं और खुदरा विक्रेताओं की बढ़ती मांग को दिया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार औद्योगिक इकाइयों और सिक्का निर्माताओं की कमजोर मांग के कारण स्थानीय बाजार में सात दिन की तेजी का सिलसिला टूट गया और चांदी 1,000 रुपए गिरकर 90,000 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई।

पिछले सत्र में यह 91,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं दिल्ली में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 69,950 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,300 रुपए, मुंबई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 69,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,150 रुपए, कोलकाता में 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 69,800 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 76,150 रुपए, चेन्नई में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 69,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,150 रुपए है। भोपाल में 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 69,850 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 76,150 रुपए है। बाजार के जानकारों के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी में बढ़त देखने को मिल सकती है। इस साल सोना 78 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है। वहीं चांदी भी 1 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच सकती है।

## चीन की ब्याज दरों में कमी की घोषणा से भारत में चमके मेटल शेयर

मुंबई ( ईएमएस )। चीन के पीपल्स बैंक ऑफ चाइना द्वारा अगले सप्ताह में ब्याज दरों में कटौती की घोषणा का सीधा असर मंगलवार को भारतीय बाजारों के मेटल शेयरों पर नजर आया। भारत में सेंसेक्स और निफ्टी के फ्लैट कारोबार करने के बावजूद मेटल इंडेक्स 2 फीसदी की तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं और मेटल इंडेक्स में शामिल सारे शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। बीएसई पर मेटल शेयरों का कारोबार 32,420 पर शुरु हुआ, जबकि कल 32,178 पर बंद हुआ था। इस समय यह 2 फीसदी बढ़त के साथ 32,788 पर कारोबार कर रहा है। अमेरिका में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की घोषणा के कुछ ही हफ्तों बाद, चीन ने भी आर्थिक कदम उठाते हुए रिजर्व रिक्वायरमेंट रेशो में आधा प्रतिशत की कटौती की है। इस कटौती के बाद बैंकों को अब अपने पास नकदी का कम हिस्सा रखना होगा, जिससे बाजार में नकदी का प्रवाह बढ़ेगा। इसके साथ ही अगले एक हफ्ते में ब्याज दरों में भी कटौती की घोषणा की जा सकती है।

## देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में 18 फीसदी गिरावट

नई दिल्ली ( ईएमएस )। दुनिया भर में कमजोर मांग की वजह से देश से रत्न और आभूषण के निर्यात में ?गिरावट देखी गई है। आंकड़ों के अनुसार अगस्त 2024 में सालाना आधार पर रत्न-आभूषण निर्यात 18 फीसदी घटकर 2.01 अरब डॉलर रह गया। जबकि अगस्त 2023 में यह 2.47 अरब डॉलर था। रत्न आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद के मुताबिक मासिक आधार पर निर्यात में तेजी देखने को मिली है। जुलाई में देश से 1.66 अरब डॉलर मूल्य के रत्न आभूषणों का निर्यात किया गया था। परिषद ने कहा है कि अमेरिका और चीन जैसे बाजारों में निर्यात बढ़ाने के प्रयास करने होंगे।

## शेयर बाजार में खुदरा निवेशकों को भारी नुकसान

मुंबई ( ईएमएस )। बाजार नियामक आयोग सेबी की ओर से सोमवार को जो रिपोर्ट जारी की गई है। उसके अनुसार वित्त वर्ष 2022 से लेकर वित्त वर्ष 2024 तक एफएंडओ ट्रेडिंग में 100 में से 98 रिटेल निवेशकों को घाटा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार केवल 7.2 फ़ीसदी निजी निवेशकों को ही इसका फायदा हुआ है। छोटे निवेशकों का औसत घाटा 2 लाख रुपये हुआ है। 2 वर्षों के कार्यकाल में 1.13 करोड़ निवेशकों के 1.81 लाख करोड़ रुपए शेयर बाजार में डूब गए हैं।

सेबी के अनुसार वर्ष 2023-24 में खुदरा निवेशकों को फ्यूचर्स और ऑप्शन ट्रेडिंग में 73 लाख खुदरा निवेशकों को 75000 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि फ्यूचर्स एंड ऑप्शन में लगभग 89 फ़ीसदी निवेशक अपना पैसा गँवाते हैं। यह संख्या बढ़कर अब 93 फ़ीसदी पर पहुंच गई है।

# सेबी ने अनिल अंबानी के बेटे अनमोल पर 1 करोड़ का जुर्माना लगाया

- रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ कृष्णन गोपालकृष्णन पर भी 15 लाख का जुर्माना

मुंबई ( ईएमएस )। शेयर बाजार नियामक सेबी ने रिलायंस होम फाइनेंस मामले में सामान्य कॉरपोरेट लोन ( जीपीसीएल ) को मंजूरी देते समय उचित सतर्कता न बरतने पर उद्योगपति अनिल अंबानी के बेटे अनमोल अंबानी पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा सेबी ने रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ रिस्क ऑफिसर कृष्णन गोपालकृष्णन पर 15 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सेबी ने अपने आदेश में कहा कि दोनों को 45 दिनों के भीतर यह राशि चुकानी होगी। यह आदेश अगस्त में सेबी द्वारा अनिल अंबानी और 24 अन्य लोगों को रिलायंस होम फाइनेंस लिमिटेड के फंड डायवर्जन ( धन की हेराफेरी ) के मामले में पांच साल के लिए शेयर बाजार से प्रतिबंधित करने के बाद आया है। साथ ही अनिल अंबानी पर 25 करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। सेबी ने कहा कि अनमोल अंबानी ने कार्पोरेट लोन को मंजूरी दी थी, जबकि 11 फरवरी 2019 को कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने ऐसे किसी भी लोन को मंजूरी न देने का स्पष्ट निर्देश दिया था। इसके बावजूद अनमोल अंबानी ने 14 फरवरी 2019 को 20 करोड़ रुपये के लोन को मंजूरी दी थी। सेबी ने कहा कि अनमोल अंबानी, जो कंपनी के गैर-कार्यकारी निदेशक थे, ने अपने अधिकार से बाहर जाकर कंपनी के हितों के खिलाफ काम किया। उन्होंने शेयरधारकों के हित में काम नहीं किया और न ही सावधानी और सतर्कता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन किया।

सेबी ने यह भी बताया कि अनमोल अंबानी ने रिलायंस कैपिटल और रिलायंस होम फाइनेंस के बोर्ड में रहते हुए उचित सतर्कता का पालन नहीं किया। जीपीसीएल लोन के मामले में उन्होंने अन्य रिलायंस एडीएजी समूह की कंपनियों को फंड भेजने के मामले में भी उचित जांच नहीं की। कृष्णन गोपालकृष्णन ने भी कई जीपीसीएल लोन को मंजूरी दी और उन लोन के क्रेडिट अप्रूवल मेमो में दर्ज महत्वपूर्ण खतरों को जानते थे। रिलायंस हाउसिंग फाइनेंस के चीफ रिस्क ऑफिसर के रूप में उन्हें अपनी जिम्मेदारियों के तहत सही प्रक्रिया का पालन करना चाहिए था और कंपनी के सभी हितधारकों के हित में काम करना चाहिए था। दोनों अनमोल अंबानी और गोपालकृष्णन ने सेबी के लिस्टिंग ऑब्लिगेशन एंड डिस्क्लोजर रिक्वायरमेंट नियमों का उल्लंघन किया है।

# अगले माह भारत और जर्मनी खेलेंगे दो मैचों की सीरीज : हॉकी इंडिया

नई दिल्ली ( ईएमएस )। हॉकी इंडिया ने कहा है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम अगले माह 23 और 24 अक्टूबर को यहां मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में जर्मनी के साथ दो मैचों की सीरीज खेलेगी। भारतीय टीम को जर्मनी के हाथों ही इस बार पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में 3-2 से हार का सामना करना पड़ा था।

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'जर्मनी के खिलाफ इस द्विपक्षीय सीरीज में शीर्ष विश्व स्तरीय हॉकी देखने को मिलेगी। भारत और जर्मनी की टीम का प्रदर्शन हाल में काफी अच्छा रहा है। ऐसे में इस सीरीज में प्रशंसकों को विश्व की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। टिर्की ने कहा, 'हम इस सीरीज की मेजबानी से उत्साहि हैं। इससे ना केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा मिलेगा बल्कि दोनों देशों के बीच रिश्ते भी बेहतर होंगे।

वहीं हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, 'भारत-जर्मनी की टीमों के बीच हमेशा ही एक रोमांचक प्रतियोगिता हुई है। हमारे खिलाड़ी ऐसी अच्छी टीम के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं औरमेरा मानना है कि यह सीरीज दोनों टीमों को भविष्य के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों से पहले अपने कौशल और रणनीतियों को बेहतर बनाने का अवसर देगी।

दूसरी ओर जर्मन हॉकी महासंघ के अध्यक्ष हेनिंग फास्टरिच ने कहा कि उनकी टीम इस कठिन सीरीज के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'हॉकी में भारतीय टीम को हमेशा ही एक विशेष स्थान रहा है और हमारी टीम उत्साही भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रही है। इस सीरीज से दोनो ही देशों के बीच खेल संबंध और बेहतर होंगे।

# एशिया का तीसरे नंबर का ताकतवार देश भारत.....रुस और जापान पीछे पाकिस्तान का दूर तक नंबर नहीं

मेलबर्न ( ईएमएस )। ताइवान से लेकर लद्दाख तक चल रहे तनाव के बीच एशिया में सबसे शक्तिशाली देशों की सूची आई है। भारत रूस और जापान को पीछे छोड़कर एशिया में तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बन गया है। भारत से आगे चीन और सबसे ऊपर अमेरिका का नाम है। ऑस्ट्रेलिया के लोवी इंस्टीटयूट थिंक टैंक की ओर से जारी किए गए एशिया पावर इंडेक्स में भारत ने अच्छी छलांग लगाई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि जापान के आर्थिक ताकत में गिरावट की वजह से उसकी ताकत में कमी आई है। जापान अब चौथा सबसे शक्तिशाली और प्रभावशाली देश बन गया है। इस लिस्ट को हर साल इन देशों के संसाधान और प्रभाव को ध्यान में रखकर जारी किया जाता है। इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया को पांचवां और यूक्रेन युद्ध में फंसे रूस को छठवां स्थान मिला है।

अमेरिका को 81.7, चीन को 72.7 और जापान को 38.9 प्वाइंट मिले हैं। वहीं पाकिस्तान को मात्र 14.6 प्वाइंट मिले हैं और वह 16वें नंबर पर है। एशिया पावर इंडेक्स में कुल 27 देशों और क्षेत्रों का आकलन किया गया। इसमें 6 साल के आंकड़े का इस्तेमाल किया गया है। यह एशिया में तेजी से बदल रहे शक्ति के वितरण का अब तक का सबसे व्यापक आकलन है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका अभी भी एशिया में सबसे प्रभावशाली ताकत है लेकिन अब अमेरिका को चीन की ओर से तेजी से बढ़ती सेना का दबाव झेलना पड़ रहा है।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने सैन्य बढ़त जरूर हासिल की है, लेकिन उसका प्रभाव स्थिर ही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की ताकत न बढ़ रही है और न ही कम हो रही है। वहीं अमेरिका ने एशिया में अपनी सैन्य ताकत में इजाफा किया है। हालांकि अमेरिका के लिए चिंता की बात यह है कि वह सैन्य ताकत के मामले में चीन के हाथों पिछड़ रहा है। इस सर्वे रिपोर्ट में भारत की तारीफ की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का उभार हो रहा है लेकिन यह थोड़ा धीमा है। भारत अब जापान को पीछे करके एशिया में तीसरा सबसे शक्तिशाली देश बन गया है

# जब....अमेरिकी सड़कों पर लगे यूनुस वापस जाओ, यूनुस सत्ता छोड़ो के नारे

वॉशिंगटन ( ईएमएस )। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस को अमेरिका में बांग्लादेशी मूल के लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ( यूएनजीए ) के सत्र में भाग लेने के लिए अमेरिका गए यूनुस न्यूयॉर्क के होटल में ठहरे हुए हैं। बस फिर क्या प्रदर्शनकारी होटल के बाहर जमा हो गए और उनके खिलाफ नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले और शेख हसीना को हटाए जाने के तरीके को लेकर नाराजगी जाहिर की है।

न्यूयॉर्क यूनुस के होटल के बाहर जमा लोगों ने यूनुस वापस जाओ, यूनुस सत्ता छोड़ो, यूनुस शर्म करो और हिन्दुओं पर हमलेबंद करो जैसे नारे लगाए। नारेबाजी कर रहे एक प्रदर्शनकारी शेख जमाल हुसैन ने कहा कि डॉक्टर यूनुस ने असंवैधानिक और अवैध तरीके से सत्ता हासिल हथिया ली है। उन्होंने गंदी राजनीति से सत्ता हासिल की। इसका नतीजा ये हुआ कि हिंसा में बहुत से लोग मारे गए औ~ देश की छवि को धक्का लगा।

यूनुस का विरोध कर रहे लोगों का कहना है कि यूनुस कैसे देश की सत्ता संभाल सकते हैं, जब शेख हसीना ने पीएम पद छोड़ ही नहीं है। उन्होंने कहा कि अभी तक निर्वाचित पीएम शेख हसीना ने इस्तीफा नहीं दिया है, उन पर दबाव बनाकर गलत तरह से देश के बाहर जाने पर मजबूर किया गया।

यूनुस का विरोध कर रहे रोनाल्ड ने कहा, हम एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र में विश्वास करते हैं लेकिन बलपूर्वक सत्ता हासिल करने के बाद यूनुस सरकार में तमाम लोगों, खासतौर से कमजोर वर्ग को मारा गया है। प्रदर्शनकारी डॉक्टर रहमान ने कहा कि मैं बांग्लादेश के लोगों का प्रतिनिधित्व करने आए अवैध, अनिर्वाचित व्यक्ति का विरोध करने के लिए यहां आया हूं। वह निर्वाचित नहीं है, उन्हें छात्रों ने नियुक्त किया है ना कि जनता ने। यूनुस ने देश पर अवैध कब्जा कर लिया है।

# अफगान अप्रवासियों से डरा ईरान, बॉर्डर पर दीवार, कांटेदार तार और खाई बना रहा

तेहरान ( ईएमएस )। ईरान की सेना अफगानिस्तान बॉर्डर पर दीवार बना रही है। ईरानी सेना ने अफगानिस्तान के साथ अपनी पूर्वी सीमा के 10 किलोमीटर से ज्यादा के क्षेत्र में दीवार बनाई है। ईरान ने दीवार को बनाने की वजह बड़ी संख्या में अप्रवासियों का आना बताया है, जो उसके लिए एक बड़ा मुद्दा बन रहा है। ईरान ने जिस क्षेत्र में दीवार बनाई है, वहां अप्रवासियों की एंट्री का सबसे अहम प्वाइंट है। ईरान ने अभी और भी कई क्षेत्रों में दीवार बनाने और दूसरे इंतजाम करने की बात कही है।

सेना के जमीनी बलों के डिप्टी कमांडर जनरल नोजर नेमाती के हवाले से बताया है कि सीमा पर 10 किलोमीटर से अधिक लंबी दीवार बना दी गई है और 50 किलोमीटर क्षेत्र में दीवार बनाने का काम हो रहा है। जनरल नेमाती ने कहा कि सीमा पर दीवार करके हम देश के प्रवेश और निकास को नियंत्रित करना चाहते हैं, जिससे सीमावर्ती क्षेत्रों की सुरक्षा को बेहतर ढंग से बढ़ाया जा सके।

ईरान-अफगानिस्तान साझा करते हैं लंबी सीमा

ईरान अफगानिस्तान के साथ 900 किलोमीटर से ज्यादा की सीमा साझा करता है। ईरान में शरणार्थियों की एक बड़ी आबादी है। इनमें से ज्यादातर अफगानी लोग हैं, जो पिछले 40 वर्षों में अपने गृह देश में चल रहे संघर्ष की वजह से भागकर आए हैं। अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना के लौटने और तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद से अफगान अप्रवासियों का ईरान की ओर प्रवाह फिर से बढ़ गया है।

ईरान की ओर से अफगान आप्रवासियों की संख्या के आधिकारिक आंकड़े नहीं दिए हैं। ईरानी संसद के सदस्य अबोलफजल तोराबी का मानना है कि उनके देश में 60 से 70 लाख के बीच अफगानी शरणार्थी हैं। ईरान के मंत्री एस्कंदर मोमेनी ने कहा है कि ईरान सीमा को अवरुद्ध करने के लिए दीवार के अलावा कांटेदार तार और खाई बनाने जैसे तरीकों का भी इस्तेमाल करेगा। हाल ही में ईरान की संसदीय राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने कहा था कि जल्दी ही 20 लाख इसतरह के लोगों को वापस भेजा जाएगा, जो अवैध तरीके से देश में आए हैं। राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने कहा है कि उनकी सरकार अवैध नागरिकों को सम्मानजनक तरीके से उनके देश वापस भेजने की योजना बना रही है।

# क्या अमेरिका की खातिर रुस को धोखा देगा तुर्की

अंकारा ( ईएमएस )। अमेरिका और तुर्की के बीच कथित रूप से एफ-35 फाइटर जेट को लेकर बातचीत जारी है। बताया जा रहा है कि अमेरिका ने तुर्की को ऑफर दिया है कि वहां रूस का एयर डिफेंस सिस्टम एस 400 अमेरिका को दे और बदले में एफ-35 फाइटर जेट ले ले। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका इन तुर्की के खरीदे एस-400 सिस्टम का कंट्रोल चाहता है। तुर्की के रूस से एस-400 सिस्टम खरीदने के बाद अमेरिका ने एफ-35 जेट देने से इंकार किया था। यह एफ-35 फाइटर जेट पांचवीं पीढ़ी का है और रूसी ब्रहास्त्र एस-400 का विरोधी माना जाता है। एस-400 सिस्टम को तुर्की के अलावा भारत और चीन भी इस्तेमाल करते हैं।

नाटो का सदस्य तुर्की एफ-35 फाइटर प्रोग्राम में साल 2007 में शामिल हुआ था और साल 2019 में रूस से एस-400 खरीदने के बाद तुर्की को प्रोग्राम से हटाया गया था। अमेरिका का कहना है कि एस 400 सिस्टम उसके एफ-35 फाइटर जेट और नाटो के बॉर्डर डिफेंस के लिए खतरा है। यूक्रेन युद्ध में रूस एस-400 का जमकर इस्तेमाल कर रहा है। यूक्रेन की सेना रूस के कई एस 400 सिस्टम को तबाह भी कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका ने तुर्की को एक व्यापक प्रस्ताव दिया है। इसके तहत एस 400 सिस्टम रहेगा, तुर्की की जमीन पर ही लेकिन इसका कंट्रोल अमेरिका के हाथों में रहेगा।

बताया जा रहा है कि एस-400 सिस्टम को तुर्की के इनसिरलिक एयर बेस तैनात किया जाएगा है जिसका नियंत्रण अमेरिका के हाथों में है। माना जा रहा है कि इसके जरिए अमेरिका रूस के एस 400 एयर डिफेंस सिस्टम की जांच कर सकेगा और उसके रहस्यों का पता लगा सकेगा। वहीं अगर तुर्की एफ-35 फाइटर जेट हासिल करता है, तब इससे उसकी हवाई ताकत काफी बढ़ जाएगी। एफ 35 फाइटर जेट दुनिया के उन दो पांचवीं पीढ़ी के विमानों में शामिल है जिसका बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। एफ-35 के अलावा दूसरा विमान चीन का जे-20 है जो पश्चिमी देशों को टक्कर दे रहा है। तुर्की के पास इस समय एफ-16 और एफ-4 का पुराना संस्करण है। इसमें कोई भी नया रेडॉर नहीं है और न ही 21वीं सदी की एयर टु एयर मिसाइल है। इससे पहले तुर्की ने संकेत दिया था कि वह रूस से सुखोई-35 और सुखोई-57 फाइटर जेट खरीद सकता है। हालांकि अब दोनों के बीच डील होती दिख रही है।

# जापान में भूकंप के झटके, सुनामी का अलर्ट जारी

टोक्यो,( ईएमएस )। जापान की धरती एक बार फिर भूकंप के झटकों से थर्रा गई है। इसके बाद सुनामी का अलर्ट भी जारी किया गया है। यह घटना सोमवार की सुबह हुई, जब मौसम वैज्ञानिकों ने इजू द्वीप के पास 5.6 तीव्रता के भूकंप आना दर्ज किया। भूकंप का केंद्र लगभग सुबह 5 बजे था और इसके बाद ओगासावारा द्वीप पर 3.3 इंच की सुनामी आने की आशंका जताई गई है।

जापान, जो चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के शीर्ष पर स्थित है, हर साल लगभग 1,500 भूकंप महसूस करता है, जिनमें से अधिकांश छोटे होते हैं। हाल ही में, पिछले महीने क्यूशु और शिकोकू द्वीपों पर भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिनकी तीव्रता 7.1 मापी गई थी। उस समय तटीय इलाकों में, जैसे मियाजाकी, कोची, इहिमे, कागोशिमा, और आइता, सुनामी का अलर्ट जारी किया गया था, और समुद्र में 20 सेंटीमीटर ऊँची लहरें देखी गई थीं।

जापान के मौसम विज्ञानियों ने नागरिकों को सुरक्षा उपाय अपनाने की सलाह दी है। लोगों को भूकंप की तैयारी के लिए पहले से ही प्रशिक्षित किया गया है, जिससे वे आपात स्थिति में बेहतर तरीके से प्रतिक्रिया कर सकें। स्थानीय सरकारें भी लोगों को चेतावनी देने और सुरक्षित स्थानों की ओर मार्गदर्शन करने के लिए तैयार हैं। हालांकि भूकंप का केंद्र दूरस्थ द्वीपों पर था, लेकिन इसके प्रभाव से निपटने के लिए जापान सरकार ने सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। जापान के नागरिकों की सुरक्षा और राहत कार्यों के लिए पूरा तंत्र सक्रिय है। अधिकारी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और स्थिति में सुधार की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

क्यों आता है भूकंप

भूकंप का कारण धरती के अंदर टेक्टोनिक प्लेटों का आपस में टकराना, रगड़ना, या एक-दूसरे के ऊपर चढ़ना होता है। जब ये प्लेटें एक-दूसरे के करीब आती हैं या दूर जाती हैं, तब धरती हिलती है। भूकंप को मापने के लिए रिक्टर पैमाने का उपयोग किया जाता है, जो 1 से 9 तक की तीव्रता को दर्शाता है। रिक्टर स्केल पर 1 का मतलब बहुत कम तीव्रता है, जबकि 9 अत्यधिक तीव्रता का संकेत देता है।

# चीन और भारत के बीच सैंडविच नहीं बनेंगे : दिसानायके

कोलंबो,( ईएमएस )। दुनिया में चल रही दबदबे की लड़ाई में श्रीलंका फंसना नहीं चाहता। चीन व भारत के बीच सैंडविच तो हम नहीं ही बनना चाहते है। यह कहना है श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके का। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वो किसी एक देश के साथ नहीं रहेंगे, बल्कि सभी के साथ मिलकर तरक्की के रास्ते तय करेंगे।

श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने इस आशय की बात एक साक्षात्कार के दौरान कहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच वो सैंडविच बनकर नहीं रहना चाहेंगे। इसी के साथ उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रीलंका दुनिया में चल रही दबदबे की लड़ाई में फंसना नहीं चाहता है।

उन्होंने कहा, कि हम न तो दबदबे की होड़ में शामिल होंगे और न ही इस दौड़ में शामिल किसी देश का साथ ही देंगे। उन्होंने भारत और चीन का नाम लिए बगैर ही कहा कि दोनों ही देश हमारे अच्छे दोस्त हैं। इस आधार पर मुझे पूरी उम्मीद है कि भविष्य में हमारी साझेदारी अच्छी ही होगी।

श्रीलंका के नये राष्ट्रपति दिसानायके ने कहा कि वो यूरोपियन यूनियन, मिडिल ईस्ट और अफ्रीका से भी रिश्तों के बेहतर बनाकर रखेंगे। विदेश नीति के संबंध में दिसानायके ने कहा कि श्रीलंका की विदेश नीति निष्पक्षता वाली होगी। गौरतलब है कि श्रीलंका के नये राष्ट्रपति दिसानायके वामपंथी विचारधारा वाले हैं। पिछले अनुभव बताते हैं कि वो भारत के आलोचक भी रह चुके हैं। इसलिए उनके राष्ट्रपति बनने पर आशंकाएं जताई गईं थीं कि वो चीन के करीब जाएंगे और वैश्विक मामलों में भारत की जगह चीन का समर्थन करेंगे। अब चूंकि उन्होंने खुद ही इन सब मामलों में खुलकर अपनी राय रख दी है और साफ कह दिया है कि वो किसी के पक्ष में नहीं जा रहे हैं तो उम्मीद बंधी है कि उनके संबंध भारत से भी बेहतर ही रहने वाले हैं।

# 72 लाख किमी की रफ्तार से आ रहे एस्टेरॉयड्स से क्या होगा धरती का हाल?

वॉशिंगटन( ईएमएस )। नासा हाल ही में धरती के पास आने वाले एस्टेरॉयड्स के कारण अलर्ट मोड में है। इन एस्टेरॉयड्स में से कई बड़े आकार के हैं, लेकिन नासा ने स्पष्ट किया है कि इनसे धरती को कोई खतरा नहीं है। 15 सितंबर को एक 660 फीट लंबा एस्टेरॉयड धरती के पास से गुजरा,लेकिन इससे कोई विनाशकारी प्रभाव नहींपड़ा।विशेषज्ञों का मानना है कि एस्टेरॉयड्सका धरती के करीब आना एक प्राकृतिक घटनाहै,लेकिन इससे उत्पन्न होने वाले प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। नासा की इस पहल से मानवता को एक नई चेतना मिली है कि हमें हमेशा सतर्क रहना चाहिए। इस प्रकार, नासा अपने मिशनों के जरिए खगोल विज्ञान की नई जानकारी जुटाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि भविष्य में किसी भी संभावित खतरे का सही समय पर सामना किया जा सके।

नासा ने आगामी घटनाओं के बारे में जानकारी साझा करते हुए बताया कि 24 सितंबर की रात को दो एस्टेरॉयड, 2020 जीई और 2024 आरओ11, धरती के करीब आएंगे। इनमें से 2024 आरओ 11 का आकार लगभग 120 फीट है और यह धरती के काफी पास से गुजरेगा। हालांकि, इससे टकराने की संभावना नहीं है। दूसरी ओर, 2020 जीई धरती से लगभग 6 लाख मील की दूरी पर रहेगा। नासा ने कहा कि इन एस्टेरॉयड्स को विशेष दूरबीनों से देखा जा सकेगा।नासा ने यह भी बताया कि 25 सितंबर को एक और एस्टेरॉयड, 2024 आरके 7, धरती के करीब आएगा। इसका आकार लगभग 100 फीट है और इससे भी कोई खतरा नहीं है। लेकिन लगातार बढ़ते एस्टेरॉयड्स के कारण नासा की सतर्कता बढ़ गई है। हाल ही में, 15 सितंबर को एस्टेरॉयड 2024 आरएन 16 धरती के पास से गुजरा,

# अमेरिका के मुस्लिम बाहुल्य शहर के मेयर आमेर ग़ालिब ने डोनाल्ड ट्रंप का किया समर्थन

वाशिंगटन,( ईएमएस )। संयुक्त राज्य अमेरिका के एकमात्र मुस्लिम बाहुल्य शहर हैमट्रैमक के मेयर आमेर ग़ालिब ने राष्ट्रपति चुनाव में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को समर्थन देने का ऐलान किया है। मिशिगन राज्य के हैमट्रैमक शहर का नेतृत्व करने वाले ग़ालिब ने हाल ही में कहा कि, हालांकि उनकी कुछ मुद्दों पर ट्रंप से असहमति है, लेकिन वह उन्हें सिद्धांतों वाले व्यक्ति और सही च्वाइस मानते हैं।

ग़ालिब ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा, कि डोनाल्ड ट्रंप और मैं हर मुद्दे पर सहमत नहीं हैं, लेकिन मैं जानता हूं कि वे सिद्धांतों वाले आदमी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वह ट्रंप की चुनावी जीत की कामना करते हैं, और यह महसूस करते हैं कि वह इस समय के लिए सही च्वाइस हैं। ग़ालिब ने अपने फैसले पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा है, कि नतीजे कुछ भी हों, मुझे अपने फैसले पर पछतावा नहीं होगा और मैं नतीजों का सामना करने के लिए तैयार हूं। ग़ालिब के इस बयान का स्क्रीनशॉट लेते हुए ट्रंप ने अपने टुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर साझा किया है।

आमेर ग़ालिब, 17 साल की उम्र में यमन से अमेरिका आए थे। हैमट्रैमक की जनसंख्या लगभग 28,000 है। इस शहर ने 2021 में एक मुस्लिम नगर परिषद और एक मुस्लिम मेयर का चुनाव कर के सुर्खियाँ बटोरी थीं। उन्होंने मिशिगन के फ्लिंट शहर में एक टाउन हॉल में रिपब्लिकन उम्मीदवार से मिलने के एक सप्ताह बाद ट्रंप का समर्थन करने का फैसला लिया। ग़ालिब का ट्रंप को समर्थन एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बदलाव माना जा रहा है। अब देखना यह होगा कि उनके इस समर्थन का चुनावी परिणाम पर क्या प्रभाव पड़ता है।

# पहली बार जापानी फाइटर जेट ने रूसी गश्ती जेट को चेताया

टोक्यो ( ईएमएस )। जापान ने कहा है कि रूसी गश्ती फाइटर जेट ने उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया है। टोक्यो ने कहा है कि तीन बार रूसी जेट होक्काइडो के मुख्य द्वीप पर जापान के हवाई क्षेत्र में आए। इस पर जापानी जेट ने उन्हें चेताया और फ्लेयर्स का इस्तेमाल भी किया। ये पहली बार है जब जापान ने रूसियों को चेतावनी देने के लिए फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया है। लड़ाकू जेट फ्लेयर्स यानी तेज रोशनी का इस्तेमाल विरोधी को वापस जाने के लिए कड़ी चेतावनी देने के तौर पर करते हैं। जापानी लड़ाकू विमानों ने पहले रूसी विमान के खिलाफ इस तरह की चेतावनी जारी नहीं की थी।

रिपोर्ट के अनुसार, जापानी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूसी आईएल-38 सैन्य गश्ती विमान ने उत्तरी द्वीप होक्काइडो के पास तीन बार जापानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश किया। इस पर जापान ने रेडियो संदेशों के माध्यम से विमान को चेतावनी देकर लड़ाकू विमानों को भेजा। तीसरी बार रूसी जेट के हवाई क्षेत्र में आने पर जापानी एयरक्राफ्ट ने फ्लेयर्स का इस्तेमाल किया। जापानी सरकार के प्रवक्ता योशिमासा हयाशी ने कहा कि हवाई घुसपैठिए के खिलाफ फ्लेयर्स का यह पहला प्रयोग था।

हयाशी ने कहा कि जापान ने घुसपैठ के विरोध के लिए राजनयिक तरीका भी अपनाया है। रूस की स्टेट मीडिया ने इस घटना पर कोई रिपोर्ट नहीं की है। ये घटना तब समय हुई है जब रूसी और चीनी युद्धपोत जापान के उत्तरी तट के पास अभ्यास कर रहे हैं। वहीं जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने न्यूयॉर्क में यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की से भी मुलाकात की।

# सुनीता विलियम्स दूसरी बार बनीं स्पेस स्टेशन की कप्तान

वॉशिंगटन( ईएमएस )। लगभग 4 माह से अंतरिक्ष में रह रहीं एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को धरती पर लाने के प्रयासों के साथ उन्हे आईएसएस यानी अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की कमान सौंपी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने ऐलान किया है कि रूसी कॉस्मोनॉट ओलेक कोनोनेंको ने स्पेस स्टेशन की कमान विलियम्स को सौंप दी है। इसे लेकर स्पेस स्टेशन पर छोटा कार्यक्रम भी आयोजित हुआ था। अंतरिक्ष में 374 दिन बिताने के बाद वापस रूस के कोनोनेंको और निकोलाइ चुब और एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ट्रेसी सी डायसन धरती पर लौट आए हैं। डायसन 6 महीने अंतरिक्ष में रहीं। इससे पहले करीब 12 साल पहले यानी 2012 में एक्सपीडीशन 33 के दौरान विलियम्स ने स्पेस स्टेशन की कमान संभाली थी। स्पेस स्टेशन की कप्तान होने के नाते भारतवंशी अंतरिक्ष यात्री के पास कई अहम ऑपरेशन और साइंटिफिक रिसर्च का काम संभालेंगी। कार्यक्रम के दौरान विलियम्स ने कहा, एक्सपीडीशन 71 ने हमें काफी कुछ सिखाया है...। आपने मुझे और बुच को अपनाया। जबकि, यह प्लान का हिस्सा भी नहीं था। आपने परिवार की तरह हमारा स्वागत किया। बता दें कि बोइंग स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी आने के कारण विलियम्स की यह अंतरिक्ष यात्रा लंबी हो गई थी। कहा जा रहा है कि उनकी वापसी फरवरी 2025 तक टल गई है।

# तिरूपति के बाद डाकोर प्रसादी पर विवादः पुजारी ने ही की जांच की मांग

डाकोर ,24 सितंबर

आंध्र प्रदेश में तिरुपति लड्डू विवाद अभी भी देश में हंगामा मचा हुआ है और इसके बाद देश के कई मंदिरों में प्रसाद की गुणवत्ता और पवित्रता की जांच की जा रही है. उस समय मांग उठी थी कि गुजरात के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल डाकोर रणछोड़जी मंदिर में दिए गए प्रसाद की भी जांच होनी चाहिए.

तिरूपति मंदिर के प्रसाद में चर्बी की मिलावट के खुलासे के बाद देश में काफी हंगामा मचा हुआ है. उस समय गुजरात के खेड़ा जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल डाकोर के रणछोड़राय मंदिर में प्रसाद को लेकर भी विवाद हो चुका है। रणछोड़राय मंदिर में भक्तों को दिए जाने वाले प्रसाद पर मंदिर के एक सेवक पुजारी ने नाराजगी जताई है और प्रसाद की जांच और सत्यापन की मांग की है.

मंदिर के सेवक आशीषभाई की ओर से सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया गया. जिसमें प्रसादी का एक वीडियो भी पोस्ट किया गया था. उनका आरोप है कि मंदिर के लड्डू प्रसाद से एक अलग तरह की गंध आती है. पहले प्रसादी लड्डू लंबे समय तक ठीक रहता था लेकिन अब तीन से चार दिन में ही खराब हो जाता है. पहले के वर्षों में जामखंभालिया घी का उपयोग लड्डू प्रसाद में किया जाता था, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से अन्य ब्रांडेड कंपनियों के घी का उपयोग किया जाने लगा है।

# वडोदरा में विदेशी शराब के साथ एक व्यक्ति पकड़ा गया, दो आरोपी वांछितः 6.67 लाख रुपये जब्त

वडोदरा ,24 सितंबर,

वडोदरा में न्यू वीआईपी रोड पर शेष नारायण सोसायटी के सामने खुलेमैदानसेबापोद पुलिस ने 57हजार की विदेशी शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। वहीं शराब का ऑर्डरदेने और भेजने वाले को वांछित घोषित कर दिया गया है। पुलिस ने मौके से एक विदेशी शराब मोबाइल और एक पिकअप गाड़ी बरामद कर 6.67 लाख रुपये का सामान जब्त कर लिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है.

बापोद पुलिस स्टेशन की एक टीम कल 23 सितंबर को इलाके में गश्त कर रही थी. इसी दौरान अजवा रोड सरदार एस्टेट चार रास्ता के पास आ गया। तभी स्टाफ के लोगों को सूचना मिली कि दर्शन मारवाड़ी (निवास-पीली लकड़ी का घर, खोडियारनगर रोड) अपने पिकअप वाहन में विदेशी शराब लोड करके रघुकुल स्कूल के पास शेषनारायण सोसायटी के सामने खुले मैदान में खड़ा है। सूचना के आधार पर जब उन्होंने बताए गए स्थान पर छापा मारा तो दर्शन किशनभाई मारवाड़ी को पकड़ लिया गया। तो उसके पास पिकअप गाड़ी से 57 हजार की विदेशी शराब बरामद हुई. तो पुलिस को एक विदेशी शराब पिकअप गाड़ी और एक मोबाइल फोन मिला और 5.67 लाख का माल जब्त किया गया. पुलिस दर्शन माली के पास इतनी मात्रा में शराब कहां से और किससे लेकर आई? साथ ही शराब की मात्रा शंकर भाई (हरियाणा निवासी) से पूछी जा रही है कि इसे वहां किसे देना था। इस आदमी ने नकली अंग्रेजी शराब की एक मात्रा भर दी थी और कहा था कि इसे जिग्नेश माली (निवास, पीली लकड़ी का घर, खोडियारनगर रोड) द्वारा ले जाना है। इसलिए बापोद पुलिस ने शराब भेजने वाले शंकर और इसे ऑर्डर करने वाले जिग्नेश माली को वांछित घोषित कर दिया है और उन्हें पकड़ने की कोशिश कर रही है।

# बाढ़ के पैसे से मदद करने वाला गिरोह अब वडोदरा में सक्रियः मुआवजे में 5 हजार देने का लालच देकर नागरिकों के बैंक खातों में पूछताछ

वडोदरा ,24 सितंबर,

कुछ जालसाज यह कहकर नागरिकों के बैंक खाते का विवरण प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं कि बाढ़ में प्रति परिवार 5,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। तब यह सतर्कता बरतना जरूरी हो गया है कि नागरिक इस मामले में धोखा न खा जाएं.

वडोदरा में बाढ़ के बाद आई आपदा के बाद, कुछ धुटारे वित्तीय सहायता के नाम पर नागरिकों को शिकार बनाने में सक्रिय हो गए हैं। इसके लिए लोगों को धोखा देने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाए जा रहे हैं। अब हाल ही में एक नया तरीका सामने आया है. शहर के फतेगंज क्षेत्र और उसके आसपास पत्रकार समाज और श्रीरंग समाज के कई श्रद्धालु मंगलवार सुबह यहां आए। यहां रहने वाले लोगों ने नागरिकों से बैंक खाते की जानकारी पूछी और कहा कि 'हम आपको बाढ़ से हुए नुकसान के लिए प्रति परिवार 5,000 रुपये देंगे और इसके लिए आपको हमें परिवार के किसी भी सदस्य के बैंक खाते का विवरण देना होगा।' कुछ जागरूक नागरिकों ने हमें यह कहकर भेज दिया कि उन्हें कोई वित्तीय सहायता, बैंक खाते का विवरण नहीं चाहिए और यदि सहायता की आवश्यकता होगी, तो वे सीधे सरकार से संपर्क करेंगे। इस मौके पर इस इसाम की मौजूदगी में एक पड़ोसी ने दूसरे पड़ोसी को भी अपनी बैंक डिटेल न देने की चेतावनी दी और पड़ोसी धर्म निभाया। घर में मौजूद महिलाओं ने बैंक डिटेल देने से इनकार कर दिया और कुछ ही सेकंड में वहां से चली गईं। जिसका आचरण संदिग्ध बताया जा रहा है। जनहितमैंयहजरूरी है कि पुलिस इस मामले में औरकार्रवाई करे और ऐसे लोगों को गिरफ्तार करे जो धोखाधड़ी के इरादे से सर्कुलेट कर रहे हैं.

# पूजा के बहाने सोने की अंगूठी चुराने वाला जीजा पकड़ाया, कुल कीमत 1.16 लाख बरामद

वड़ोदरा, 24 सितंबर

क्राइम ब्रांच ने पानीगेट इलाके से एक जीजा-साले को गिरफ्तार किया है, जो लोगों से भीख मांगने और पूजा करने के बहाने आभूषण चुरा रहा था. उसके पास से एक सोने की अंगूठी, एक मोबाइल फोन और एक ऑटोरिक्शा बरामद किया गया और 1.16 लाख की नकदी जब्त कर पानीगेट पुलिस को सौंप दी गई।

वडोदरा क्राइम ब्रांच की एक टीम अज्ञात चोरी सहित अन्य अपराधों के आरोपियों को पकड़ने के लिए इलाके में गश्त कर रही थी। इसी बीच सूचना मिली कि दो व्यक्ति रिक्शे में संदिग्ध सामान लेकर आयुर्वेदिक छात्रावास के पास से गुजरने वाले हैं। सूचना के आधार पर पैनीगेट आयुर्वेदिक छात्रावास के पास निगरानी रखी गयी. इसी बीच जानकारी के मुताबिक क्राइम ब्रांच ने ऑटोरिक्शा को रोका. रिक्शा में दो व्यक्ति सावननाथ सुरमनाथ मदारी यू.डब्ल्यू. 23 (रे. सनफार्मा रोड ओपन ग्राउंड, वडोदरा, मुख्य रेस. गांव खडाल, जिला कठलाल, जिला. खेड़ा) और राजूनाथ रुमालनाथ मदारी 30 (रे. सनफार्मा रोड ओपन ग्राउंड) थे वडोदरा, ग्राम अतरोली, जिला कपडवंज, जिला खेड़ा में पाया गया। क्राइम ब्रांच द्वारा इन दोनों की तलाशी के दौरान इनके पास से एक मोबाइल फोन और एक सोने की अंगूठी मिली. इन दोनों संदिग्धों के पास से मिली सोने की अंगूठी, मोबाइल फोन और ऑटोरिक्शा का सबूत वे पेश नहीं कर सके. इन दोनों नामों पर सवाल उठाने से दोनों रिश्ते में भाई बनते हैं। वडोदरा में, 16 सितंबर को दोपहर एक बजे उनके पास एक ऑटोरिक्शा में भिक्षा मांगने के बहाने, एक आरोपी कलादर्शन चार रास्ता स्थित एक दुकान पर गया और वादी बेन द्वारा पहनी गई सोने की अंगूठी रख ली। पूजा के लिए मेज पर थे क्राइम ब्रांच ने उसके पास से एक सोने की अंगूठी, एक मोबाइल फोन और 1.16 लाख रुपये कीमत का एक ऑटोरिक्शा जब्त किया है और इसे आगे की कार्रवाई के लिए पानीगेट पुलिस स्टेशन को सौंपने की कोशिश कर रही है।

# मुख्यमंत्री का राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम गुरुवार,26 सितंबर को आयोजित होगा

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के समक्ष राज्य के नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं के ऑनलाइन निवारण का राज्य स्तरीय 'स्वागत' (स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रिवेंसेस बाई एप्लीकेशन ऑफ टेक्नोलॉजी) कार्यक्रम गुरुवार, 26 सितंबर की दोपहर को आयोजित होगा। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से वर्ष 2003 से शुरू हुए स्वागत ऑनलाइन जनशिकायत निवारण कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम हर महीने के चौथे गुरुवार को आयोजित किया जाता है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में सितंबर-2024 का राज्य स्तरीय स्वागत ऑनलाइन जनशिकायत निवारण कार्यक्रम 26 सितंबर को आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गुरुवार, 26 सितंबर को दोपहर 3.30 बजे राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे और नागरिकों की शिकायतें सुनेंगे। आम नागरिक और आवेदक राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम के लिए अपना अभ्यावेदन गुरुवार, 26 सितंबर को सुबह 8.30 से 11.30 बजे के बीच मुख्यमंत्री की जनसंपर्क इकाई, स्वर्णिम संकुल-2, गांधीनगर में व्यक्तिगत रूप से आकर दे सकते हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल दोपहर 3.30 बजे मुख्यमंत्री कार्यालय की जनसंपर्क इकाई में उपस्थित रहकर जनता की शिकायतें और समस्याओं सुनेंगे।

# "27 फीसदी ओबीसी आरक्षण को 20 और 7 में बांटा जाए", सांसद गनीबेन ठाकोर का पीएम मोदी को पत्र

गांधीनगर,24 सितंबर

बनासकांठा से कांग्रेस सांसद जेनीबेन ठाकोर ने गुजरात में ओबीसी आरक्षण के मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को पत्रलिखा है। जिसमें कांग्रेस सांसद गनीबेन ठाकोर ने गुजरात के 27 फीसदीओबीसी आरक्षण को दो हिस्सों में बांटनेकीबात कही है. पत्र में गनीबेन ने ओबीसी आरक्षण के बंटवारे को लेकरकहाहै कि 27फीसदी आरक्षण को 20 और 7 में बांटा जाना चाहिए. ठाकोर,कोलीसमेतअतिपिछड़ी जातियों को27% मेंसे20% आरक्षण दिया जाए.

ओबीसी में 146 जातियां हैं लेकिन उनमें ठाकोर, कोली, धोबी, मोची, वाडी, वंसकोडा, भोई, नुतारा, दबगर,डफर,फकीर,भुवरिया, कागड़िया,खरवा,मदार, भरथार, नट, बरैया, रावल, सलात, सलादिया शामिल हैं।वंजारासहित23 से अधिक प्रजातियाँ हैं आजादी के इतने सालों बाद भी कौन सा देश विकास से वंचित है. इसका मुख्य कारण ओबीसी आरक्षण में उन्हें मिलने वाले आरक्षण के लाभ में भारी असमानता है.

वे शिक्षा और रोजगार में ओबीसी आरक्षण का पूरा लाभ नहीं उठा सकते। इसका मुख्य कारण यह है कि ओबीसी के अंतर्गत आने वाली अन्य पांच या 10 जातियां सामाजिक और आर्थिक रूप से समृद्ध हैं और सामाजिक रूप से ऊंची जातियों से जुड़ी हुई हैं। इन ओबीसी के 27ङ आरक्षण का 90 प्रतिशत से अधिक लाभ इन पांच या 10 जातियों को मिलता है। इसलिए ये पिछड़ी जातियां ओबीसी के अंतर्गत आती हैं, वे इस ओबीसी का लाभ नहीं उठा सकते हैं। उपरोक्त पिछड़ी जातियों को 27ङ का एक या दो प्रतिशत लाभ मिलता है। इसलिए मेरा विनम्र अनुरोध है कि 27ङ ओबीसी आरक्षण में से ठाकोर, कोली और अन्य ओबीसी सहित 23 जातियों, जिन्हें पिछले 20 वर्षों में शिक्षा और सरकारी नौकरियों में लाभ हुआ है, का सर्वेक्षण किया जाना चाहिए।

इस सर्वे के बाद इन पांच या 10 जातियों को आर्थिक रूप से पिछड़ा मानकर और इनके जैसी अन्य जातियां जिन्हें ओबीसी आरक्षण से ज्यादा फायदा हुआ है, उन्हें अलग से सात फीसदी आरक्षण दिया जाना चाहिए. जबकि ठाकोर और कोली सहित सबसे पिछड़ी जातियों को पिछले 20 वर्षों में शिक्षा या रोजगार में आरक्षण का लाभ नहीं मिला है। मेरा विनम्र अनुरोध है कि ऐसी जातियों को 27ङ में से 20ङ आरक्षण दिया जाना चाहिए। गनीबेन ठाकोर ने यह पत्र ऐसे समय लिखा है जब उनकी खाली हुई वाव-भाभर विधानसभा सीट पर उपचुनाव होने वाला है। उन्होंने इस बात पर भी सर्वे की मांग की है कि गुजरात में ओबीसी आरक्षण से किन जातियों को कितना फायदा हुआ है.

# सूरत की फैक्ट्री में ब्लास्ट में 14 कर्मचारी झुलसे, दो की हालत गंभीर, फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर

सूरत ,24 सितंबर

सूरत शहर के कतारगाम इलाके में स्थित हीरा फैक्ट्री में आज गैस लाइन में ब्लास्ट हो गया. जिससे वहां भीड़ लग गई। धमाका इतना जोरदार था कि फैक्ट्री में काम कर रहे 14 ज्वैलर्स झुलस गए। जिनमें से दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है. इस घटना में झुलसे सभी रत्न कलाकारों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया. फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया।

सूरत के कतारगाम में एक हीरा फैक्ट्री में हीरे साफ करते समय गैस लाइन में तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया. जिससे अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया. धमाके की घटना में 14 लोग गंभीर रूप से झुलस गए, जिनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है. यहां बताया गया है कि हीरे से धूल हटाने और उसे साफ करने के लिए गैस लाइन का इस्तेमाल किया जाता है। धमाके की घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने लगातार पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया. इस घटना में झुलसे 14 लोगों को बाहर निकालकर तत्काल इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है. अब आग पर काबू पा लिया गया है.

# कच्छ में तस्कर हुए बेलगामः तीन जगहों पर सामूहिक सेंधमारी कर 10.80 लाख की चोरी...

भुज,24 सितंबर

कच्छ को बंधक बनाने वाले तस्करों के गिरोह का आतंक जारी है, पिछले दो दिनों में मांडवी, भुज और भचाऊ में बड़े पैमाने पर चोरियों से निवासी भयभीत हो गए हैं। पूर्वी भचाऊ शहर के पार्श्वसिटी नामक रिहायशी इलाके में तस्करों ने एक साथ चार बंद घरों में सामूहिक चोरी कर हड़कंप मचा दिया है।

यहांरहनेवालेऔर आरती इंडस्ट्रीज में सलाहकार के रूप में काम करने वाले प्रशांत गोयल13 सितंबर को अपने घर पर ताला लगाकर अपनी पत्नी केसाथ अहमदाबाद हवाई अड्डे से इंडोनेशिया के लिए रवाना हुए। गत सुबह छह बजे ट्रेन से घर लौटते समय घर का प्रवेश द्वार खुला देखा। पता चला है कि तस्करों ने 2.35 लाखरुपयेकासोनेकाहीरेका हार, 1.20 लाख रुपये का सोने का हीरे का कंगन, 90 हजार रुपये नकद और 60 हजार रुपये के अन्य चांदी के आभूषण सहित 5.35 लाख रुपये की संपत्ति चुरा ली है।

प्रशांत के घर की पिछली लाइन मेंरहनेवाले तरूण गर्ग नामक गृहस्वामी केघरसेढाईहजारनकदऔर 15,500 रुपये के चांदी के सिक्के, कैमरा, कलाई घड़ी आदि तस्करों ने चुरा लिये. पास में रहने वाले मनीष बंसल के घर से. इसके अलावा एक अन्य घर मेंभीचोरी हुई है, जिसकी जानकारी नहीं मिल पायी है. इस तरह तस्करों ने एक हीरात में 5 लाख 53 हजार की संपत्ति चोरी कर ली है.

इस बीच,तकरो द्वारा कच्छ पर सर्जिकलस्ट्राइक के बीच, मुख्यालय भुज में एयरपोर्ट रोड पर मथुरा ग्रीन्स सोसायटी में कल रात बदमाशों ने धावाबोलकरएकबंदइमारतसे 311, 000कीसंपत्तिचुरा ली। धोरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत मितेश दिनेश मोटा ने मनकुवा पुलिस को बताया कि वह पिछले रविवार दोपहर को घर में ताला लगाकर अपनी पत्नी के साथ बुजुर्गों का सम्मान करने के लिए भुज आए थे और जब वे देर रात 3:30 बजे घर पहुंचे दोपहर बाद पता चला कि तस्करों ने घर से 6 हजार नकद और सोने-चांदी के आभूषण समेट कर 3 लाख 1100 रुपये की संपत्ति चोरी कर ली है.

इसके अलावा पिछले शुक्रवार-शनिवार की रात बंदरियां मांडवी में धावा बोलकर आए तस्करों ने नवापारा के सलाट चौक में रहने वाले अरविंद सलाट के बंद घर से 1.69 लाख के सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए। 61 वर्षीय शिकायतकर्ता 19 सितंबर की रात 9 बजे घर में ताला लगाकर अपनी पत्नी के साथ मांडवी के बाबावाड़ी स्थित अपनी बेटी के घर चले गए. 21 सितंबर को शाम 5.15 बजे जब वह घर लौटे तो चोरी की जानकारी हुई। इसी तरह मांडवी के असबरवाड नगर में रहने वाले नगर निगम सुपरवाइजर किशोर धोरिया के बंद घर से तस्करों ने 50 हजार नकद और 76 हजार के गहने चुरा लिए हैं. पत्नी के बाहर जाने के बाद 20 सितंबर की रात को घर में ताला लगाकर फरियादी अपने ससुर के घर चला गया और वहीं रहने लगा. पुलिस ने कहा कि चोरी की सूचना तब मिली जब वह अगले दिन सुबह 9 बजे घर लौटे।

# भारत की पहली दिव्यांग अनुकूल भर्ती वेबसाइट

अहमदाबाद (ईएमएस) दिव्यांग जनों कि पूर्ण सुगमता के लिए माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर और माननीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा दिए गए मिशन अंत्योदय को साकार करने की दिशा में एक कदम उठाते हुए, रेल मंत्रालय ने आज दिव्यांग सुगम्य भर्ती वेबसाइट ंज्ज्बुदन्ग्ह लॉन्च की, जिससे दिव्यांगजन बिना किसी सहायता के रेलवे रिक्तियों के लिए अपने नौकरी आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकेंगे। यह वेबसाइट अंतर्राष्ट्रीय सुगम्यता मानकों के पूर्णतया अनुरूप है और दिव्यांगजनों को सशक्त बनाने के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस वेबसाइट का शुभारंभ आज मुंबई में भारत भर के सभी रेलवे भर्ती बोर्डों के अध्यक्षों की समीक्षा बैठक के दौरान रेल मंत्रालय की अतिरिक्त सदस्य (स्टाफ) श्रीमती प्रमिला एच. भार्गव ने किया

# एमएस यूनिवर्सिटी में कॉमर्स के हजारों विद्यार्थियों ने पहले दिन अंधेरे में आंतरिक परीक्षा दी

वडोदरा,24 सितंबर

एम एस यूनिवर्सिटी एमएस यूनिवर्सिटी के वाणिज्य संकाय में टीवाई और एम.कॉम की आंतरिक परीक्षा आज से शुरू हो गई। पहले दिन अंधेरे में परीक्षा देने की बारी विद्यार्थियों की थी।

विवरण के अनुसार, मध्य गुजरात पावर कंपनी द्वारा रखरखाव कार्य के तहत इस क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई थी। इसके चलते सुबह आठ बजे जब टीवाई के छात्र परीक्षा देने पहुंचे तो लाइट नहीं थी। दूसरी ओर, छात्रों को अंधेरे में पेपर लिखना पड़ा क्योंकि कई कक्षाओं में वेंटिलेशन के लिए खिड़कियां नहीं थीं। ऐसे में सुबह 10:30 बजे एमकॉम के विद्यार्थियों ने अपना पहला पेपर दिया। इसके बाद भी बिजली कटौती से विद्यार्थियों को परेशानी उठानी पड़ी। सूत्रों ने बताया कि फैकल्टी द्वारा बिजली कंपनी को पहले से सूचना नहीं देने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई. आम तौर पर, रखरखाव कार्य का शेडयूल बिजली कंपनी द्वारा बदल दिया जाता है, यदि संभव हो तो, यदि परीक्षा आयोजित की जानी है और संकाय बिजली कंपनी को पहले से सूचित करता है।

# गुजरात में भारी बारिश की भविष्यवाणी, कई जिलों में अलर्ट

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में एक बार फिर बारिश को लेकर भविष्यवाणी की गई हैं जिसे लेकर राज्य के कई जिलों में अलर्ट जारी किया गया हैं वहीं पंचमहल और दाहोद जिले में तेज बारिश होने की खबर हैं हांलाकि कच्छ में बारिश की कोई संभावना नहीं हैं कच्छ से मानसून की बिदाई हो चुकी हैं मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक आज कुछ जिलों में ऑरेंज अलर्ट और कुछ जिलों में येलो अलर्ट की घोषणा की गई हैं दक्षिण गुजरात के वलसाड, दमन और दादरा नगर हवेली में ऑरेंज अलर्ट के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की गई हैं जबकि दक्षिण गुजरात के नर्मदा, सूरत, तापी, नवसारी और डांग में भारी बारिश के साथ येलो अलर्ट घोषित किया गया है। वहीं अहमदाबाद में 26, 27 और 28 सितंबर को भारी बारिश का येलो अलर्ट घोषित किया गया हैं मौसम विभाग ने कल भावनगर, अमरेली, गिर सोमनाथ, नर्मदा, सूरत और तापी जिलों में येलो अलर्ट की घोषणा की हैं वहीं नवसारी, डांग, वलसाड और दादरा नगर हवेली में कल भारी से बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 26 सितंबर को अहमदाबाद, बोटाद, गिर सोमनाथ, आनंद, वडोदरा, छोटाउदेपुर, भरूच और नर्मदा में येलो अलर्ट के साथ भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। अमरेली, भावनगर, तापी, नवसारी, वलसाड, डांग, दमन और दादरा नगर हवेली में भारी से बहुत भारी बारिश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। आज अहमदाबाद का तापमान सामान्य से अधिक हैं बीते दिन के मुकाबले आज तापमान एक डिग्री बढ़ गया हैं मौसम विभाग के पूर्वानुमान के बीच पंचमहाल में एक बार फिर मूसलाधार बारिश हुई हैं पंचमहल के गोधरा में आज मौसम अचानक बदला और तेज हवाओं व गरज के साथ भारी बारिश हुई। मूसलाधार बारिश के कारण कुछ इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई हैं दूसरी ओर लंबे अंतराल के बाद दाहोद में भी मूसलाधार बारिश हुई है। देर रात तेज हवा के साथ जबर्दस्त बारिश हुईं तेज हवा के साथ भारी बारिश के चलते दाहोद के कई इलाकों में पानी भर गयां मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक राज्य के 12 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट दिया गया हैं गुजरात के कुछ जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का भी अनुमान लगाया गया हैं साथ ही मध्य गुजरात के 5 जिलों में ऑरेंज अलर्ट दिया गया हैं

पश्चिम रेलवे - वडोदरा मंडल
शुद्धिपत्र
निविदा सूचना सं. DRM BRC 085 वर्ष 2024-25 दिनांक 19/09/2024 की निविदा सं. DRM BRC 085 वर्ष 2024-25 के निविदा दस्तावेज का शुद्धिपत्र। निविदा सं. DRM BRC 085 वर्ष 2024-25 निविदा दस्तावेज पृष्ठ सं. 13 (निविदा प्रपत्र - द्वितिय शीट) पर समान प्रकार के कार्य को "निर्माण का एवं भवन कार्य" के बजाय "कीसी भी भवन के निर्माण का कार्य" के तौर पर पढ़ना होगा। अन्य तमाम नियम व शर्तें अपरिवर्तनिय रहेंगें।
BRC-179-A
हमें फॉलो करें: twitter.com/WesternRly

# वापी सेशन कोर्ट का अहम फैसलाः 16 साल की लड़की को गर्भवती बनाने वाले विधर्मी को 20 साल की सजा

वापी ,24 सितंबर,

वापी अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने 20 साल की सजा और रुपये का जुर्माना सुनाया है। इंस्टाग्राम पर लड़की से दोस्ती करने के बाद आरोपी उसे सुनसान जगहों पर ले गया और उसका शारीरिक शोषण किया.

वापी के चिरी इलाके में रहने वाले एक परिवार की 16 साल की कामिनी (पीड़िता का नाम बदल दिया गया है) पिछले 4 जून 2020 को खमण लेने के लिए निकली थी. इसके बाद रहस्यमय परिस्थितियों में लापता होने के बाद कोई पता न चलने पर परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। तलाशी के दौरान पुलिस को सैफ इमरान मिर्जा कामिनी और डुंगरा इलाके में रहता हुआ मिला.

पुलिस की गहन पूछताछ में आरोपी सैफ मिर्जा ने कबूल किया कि इंस्टाग्राम पर कामिनी से दोस्ती के बाद वह कामिनी से स्कूल और अन्य जगहों पर मिलता था. इस दौरान सैफ कामेच्छा से ग्रस्त हो गया और सुनसान जगहों पर ले जाकर तीन से चार बार उसका शारीरिक शोषण किया। मेडिकल जांच के दौरान कामिनी गर्भवती पाई गई। पुलिस ने दुष्कर्म समेत अन्य धारा जोड़कर कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया।

वापी अतिरिक्त सत्र न्यायालय में हुई सुनवाई के दौरान डी.जी.पी. अनिल त्रिपाठी ने पीड़िता समेत लोगों की गवाही और साक्ष्य समेत कई दलीलें दीं. कोर्ट के जस्टिस तरूण आहूजा ने दलीलों को स्वीकार करते हुए ऐतिहासिक फैसला सुनाया और आरोपी सैफ मिर्जा को दोषी करार देते हुए 20 साल की कैद और 2 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माने की राशि नहीं देने पर आरोपी को दो साल की अतिरिक्त सजा दी गयी है.

# डीएनए वेलनेस ने वडोदरा में 'CERViSure' लॉन्च किया

वडोदरा, 21 सितंबर, 2024: अहमदाबाद में भारत की पहली CERViSure प्रयोगशाला को सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद, डीएनए वेलनेस ने बुधवार, 25 सितंबर को गुजरात के वडोदरा में एक ऍन्हिंएलि प्रयोगशाला शुरू करने की घोषणा की है। डीएनए वेलनेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (डीएनए वेलनेस) के पास डीएनए प्लोइडी टेस्ट का विशेष अधिकार है, जो ब्रिटिश कोलंबिया कैंसर रिसर्च एजेंसी, कनाडा द्वारा विकसित एक अभूतपूर्व निदान उपकरण है। यह परीक्षण, जिसे CERViSure ब्रांड नाम से भी जाना जाता है, सर्वाइकल कैंसर का पता लगाने का एक तेज़, सटीक और गैर-आक्रामक तरीका है।

CERViSure प्रयोगशाला वडोदरा शहर और आसपास के जिलों में महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर की जांच तक आसान पहुंच प्रदान करेगी। जो कि रु. 5500 सर्वाइकल कैंसर का निदान करेगा। वडोदरा के साराभाई कैंपस में 73 ईस्ट एवेन्यू में 700 वर्ग फुट की CERViSure प्रयोगशाला CERViSure परीक्षण करने के लिए अत्याधुनिक तकनीकों और उच्च योग्य स्टाफ सदस्यों से सुसज्जित होगी।

CERViSure परीक्षण सर्वाइकल कैंसर के लक्षणों का पता लगाने में बेहद मददगार हो सकता है, यह पारंपरिक तरीकों से दो साल पहले ही कैंसर कोशिकाओं की पहचान कर लेता है। परीक्षण 98 प्रतिशत संवेदनशीलता और 100 प्रतिशत सटीकता के साथ परिणाम देता है। 20 से 60 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं को हर तीन साल में एक बार CERViSure टेस्ट कराने की सलाह दी जाती है। सर्वाइकल कैंसर शुरुआत में कोई लक्षण नहीं दिखाता है। जिसका पता केवल स्क्रीनिंग की मदद से लगाया जा सकता है और चूंकि इसे रोका जा सकता है, इसलिए चिकित्सा विशेषज्ञ इस परीक्षण की सलाह देते हैं।

नवंबर, 2020 में अहमदाबाद, गुजरात में स्थापित, डीएनए वेलनेस भारत में उन्नत डीएनए प्रोफाइलिंग तकनीक प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनी बन गई है। वह रोगियों में रोगों के निदान के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए आनुवंशिक अस्थिरता का पता लगाने के क्षेत्र में काम करते हैं। 'सर्वाइकल कैंसर-मुक्त भारत' के मिशन को हासिल करने के उद्देश्य से, कंपनी ने CERViSure टेस्ट ब्रांड के तहत भारत में डीएनए प्लोइडी टेस्ट लॉन्च किया है, जो कनाडा की ब्रिटिश कोलंबिया कैंसर रिसर्च एजेंसी का आविष्कार है।

यह परीक्षण एक विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए गैर-आक्रामक ब्रश का उपयोग करके गर्भाशय ग्रीवा से म्यूकोसल नमूना एकत्र करके किया जाता है। फिर नमूने को एआई-समर्थित सॉफ़्टवेयर के साथ संसाधित और विश्लेषण किया जाता है, जो अधिक सटीक परिणाम सुनिश्चित करने के लिए इसकी तुलना 50 मिलियन से अधिक रोगी नमूनों के डेटाबेस से करता है।

CERViSure के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, डीएनए वेलनेस के सह-संस्थापक, पथिक भंडारी ने कहा, ''भारत में डीएनए प्लोइडी टेस्ट की अनूठी तकनीक लाना सर्वाइकल कैंसर मुक्त भारत के हमारे दृष्टिकोण को पूरा करने की दिशा में पहला कदम है। पूरे भारत में सर्वाइकल कैंसर के रोगियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का शीघ्र निदान करने में सक्षम होगा। अपने मुख्य बाजार गुजरात से शुरुआत करते हुए, हम देश भर में इन प्रयोगशालाओं की स्थापना करके ऍन्हिंएलि की व्यापक पहुंच हासिल करने के लिए समर्पित हैं।

आगे कहा, ''अहमदाबाद और वडोदरा के बाद, कंपनी अक्टूबर, 2024 तक राजकोट और सूरत के बाजारों में भी प्रयोगशालाएं स्थापित करने जा रही है। बाद देश के अन्य राज्यों में भी रणनीतिक विस्तार करेगी। डीएनए वेलनेस ने देश भर में डीएनए प्लोइडी परीक्षण की उपस्थिति वाले डॉक्टरों, क्लीनिकों, अस्पतालों के साथ गठजोड़ करने की भी योजना बनाई है। वर्तमान स्क्रीनिंग तंत्र में पीएपी स्मीयर (जिनकी संवेदनशीलता 40-55ङ के बीच है) और एचपीवी डीएनए परीक्षण भी शामिल है, जो एचपीवी संक्रमण के लक्षणों का पता लगाता है, जो गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का सबसे बड़ा जोखिम संकेतक है।

# जिले में स्वच्छता ही सेवा के तहत जनभागीदारी से साफ-सफाई का कार्य किया गया

वलसाड ,24 सितम्बर

वलसाड जिले में 17 सितंबर से 31 अक्टूबर-2024 तक ठस्वच्छता ही सेवा (एसएचएस)ठ अभियान शुरू किया गया है। ठस्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छताठ थीम के साथ इस अभियान का उद्देश्य वलसाड जिले को स्वच्छ बनाना है।

दिनांकः 23/09/2024 धरमपुर तालुक के खांडा गांव में जनभागीदारी से स्वच्छता, स्वच्छता शपथ, कपराडा तालुक के कपराडा गांव के सब्जी बाजार में जनभागीदारी से स्वच्छता, पारडी तालुक के चिवाल गांव में रैली, जनभागीदारी से स्वच्छता, दीवार पेंटिंग ,उमरगाम तालुका के मालव गांव में जनभागीदारी से स्वच्छता एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

उदरेगाम तालुका में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण योजना के तहत जिला ग्राम विकास एजेंसी वलसाड और एसआईआरडी संस्थान द्वारा सरपंच और तलाटी सह मंत्रियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। रंगोली, वॉल पेंटिंग, स्वच्छता रैली एवं स्वच्छता सफ़ाई जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया वलसाड तालुक के मालवण गांव में स्वच्छता के बारे में जागरूकता, रंगोली, वापी तालुक के कवाल गांव में स्वच्छता शपथ, स्वच्छता के बारे में जागरूकता, शोक पिट और कम्पोस्ट पिट जैसी गतिविधियां की गईं।

# आईएसबी( घ्एँ )ने 'पीजीपी वाईएल' (PGP YL) लॉन्च किया - नए ग्रेजुएट्स और शुरुआती चरण के प्रोफेशनल्स के लिए 20 माह का पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम

राष्ट्रीय, सितंबर, 2024: 2001 में स्थापित इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), मैनेजमेंट एजुकेशन में नए मानक स्थापित करने के लिए प्रसिद्ध है, जो भारत एवं विश्व के लिए भविष्य के लीडर तैयार करने के अपने मिशन की ओर एक और बड़ी पहल शुरू कर रहा है।

आईएसबी ने 2 साल तक के फुल टाईम वर्क एक्सपीरियंस वाले लोगों के लिए 20 माह का फुल टाईम एमबीए इक्विवेलेंट रेजिडेंशियल मैनेजमेंट प्रोग्राम- पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट फॉर यंग लीडर्स (पीजीपी वाईएल) (PGP YL) शुरू किया है।

नए पीजीपी वाईएल (PGP YL) प्रोग्राम के बारे में प्रोफेसर मदन पिलुटला, डीन, आईएसबी ने कहा, ''आईएसबी (ISB) 2001 में अपनी शुरुआत से ही विश्वस्तर की मैनेजमेंट शिक्षा प्रदान कर रहा है और भारत एवं विश्व के लिए लीडर्स का निर्माण कर रहा है। इंडस्ट्री के लीडर्स और नियोक्ताओं के साथ हमारी वार्ताओं में ऐसे युवा प्रोफेशनल्स की जरूरत सामने आई, जो सीधे ऐसे पदों पर काम कर सकें, जिनके लिए व्यवसायिक कौशल के साथ डेटा एवं टेक्नोलॉजी में गहरी विशेषज्ञता की जरूरत हो।

# पासपोर्ट आवेदन की पुलिस सत्यापन प्रक्रिया अब से आसान हो जाएगी

वलसाड ,24 सितम्बर

राज्य सरकार के कानून एवं व्यवस्था विभाग, गांधीनगर द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुसार, पासपोर्ट सत्यापन प्रक्रिया में संशोधन करके नई प्रक्रिया लागू होने से पासपोर्ट के पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया आसान हो जाएगी।

(1) अनिवार्य परिस्थितियों को छोड़कर पासपोर्ट आवेदकों को सत्यापन प्रक्रिया के लिए पुलिस स्टेशन जाने की आवश्यकता नहीं है।

(2) पासपोर्ट आवेदकों का सत्यापन आवेदक की नागरिकता के साथ-साथ आवेदक के पिछले आपराधिक इतिहास के सत्यापन तक सीमित होगा।

(3) पुलिस को पासपोर्ट आवेदकों के पते का सत्यापन करने की आवश्यकता नहीं होगी

(4) पुलिस को पासपोर्ट आवेदकों से व्यक्तिगत रूप से मिलने या आवेदक के हस्ताक्षर प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी।

(5) हालाँकि, पुलिस केवल उन मामलों में आवेदकों के निवास पर जाएगी जहाँ पुलिस पासपोर्ट आवेदकों का आगे सत्यापन करना आवश्यक समझती है।

वलसाड जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति में सभी जनता को उपरोक्त प्रक्रिया पर ध्यान देने के लिए सूचित किया गया है।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96